ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -12 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर 2025 (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में हुए शामिल

वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री रूप साय सलाम और उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नए दायित्वों के लिए अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में श्री सलाम को एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे वे अपनी संवेदनशीलता, अनुभव और दक्षता के साथ उत्कृष्ट रूप से निभाएंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि श्री सलाम स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और समुदाय की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को भली-भांति समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों की आय बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रदेश में निवासरत जनजातीय समाज के उत्थान को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। साथ ही केंद्र में अलग जनजातीय मंत्रालय की स्थापना से समुदाय के विकास को नई गति मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी भावना और संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना' तथा 'पीएम जनमन योजना' लागू की, जिनके माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्राहकों को देश में सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। वनोपजों के वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वनवासी समुदाय की आय में वृद्धि हो और उन्हें वास्तविक आर्थिक मजबूती प्राप्त हो।

वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि यह प्रदेश का सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ के मुखिया श्री विष्णु देव साय स्वयं जनजातीय समुदाय से आते हैं और वनवासी भाई-बहनों की पीड़ा, कठिनाइयों और आकांक्षाओं को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की 32% आबादी जनजातीय है तथा 44% क्षेत्र वनाच्छादित है, इसलिए वनोपज ही वनवासियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता को 'हरा सोना' कहा जाता है और उसके अनुरूप मूल्य देने का कार्य मुख्यमंत्री श्री साय ने किया है। तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा मूल्य 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने न केवल चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया है, बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, नान के चेयरमैन श्री संजय श्रीवास्तव, योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण सिन्हा, छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम, वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सलीम राज, वनबल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव सहित लघु वनोपज संघ के सदस्य तथा प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे वनोपज संग्राहक उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह का ऐतिहासिक क्षण : मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को भेंट की धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की बस्तर आर्ट प्रतिमा

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर अंबिकापुर में आयोजित कार्यक्रम में एक प्रेरक एवं गरिमामय क्षण देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को बस्तर आर्ट में निर्मित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट की। यह प्रतिमा जनजातीय विरासत, शौर्य और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक मानी जाती है।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा भेंट की गई यह मूर्ति भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान और जनजातीय समाज की गौरवपूर्ण परंपराओं को सम्मानपूर्वक स्मरण कराने वाला एक सशक्त प्रतीक है। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद दर्शकों ने इस भावनात्मक क्षण का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं, कला, इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में उनके अप्रतिम योगदान को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज की विरासत, संस्कृति और अमूल्य योगदान को संजोने, संरक्षित करने और सशक्त रूप से आगे बढ़ाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा संकल्प है कि आदिवासी समाज के स्वाभिमान को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया जाए, ताकि उनकी गौरवशाली पहचान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा बने।

मत्स्य बीज उत्पादन में राज्य देश में 6 वें स्थान पर

मत्स्य किसानों को आर्थिक समृद्धि हेतु नवीन तकनीक एवं कौशल विकास को अपनाने की जरूरत: मंत्री रामविचार नेताम

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा मछलीपालन मंत्री श्री रामविचान नेताम आज विश्व मात्स्यिकी दिवस पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि मंडपम सभागार में आयोजित एक दिवसीय मत्स्य कृषक संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रति वर्ष 21 नवंबर को विश्व मात्स्िकी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मत्स्य पालन के महत्व, मछुआ समुदाय के अधिकारों, आर्थिक आजिविका, खाद्य सुरक्षा, सांस्कृतिक विरासत एवं समुदाय सशक्तिकरण हेतु जागरूकता लाना है। श्री नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर रजत जयंती मना रहा है। राज्य में प्राकृतिक रूप से मछली पालन के स्त्रोत प्रचूर मात्रा में उपलब्ध है। मत्स्य किसानों के विकास के लिए आवश्यकता है केवल नवीन तकनीक, मानव कौशल विकास, आर्थिक प्रोत्साहन एवं सहायता की।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि शासन ने राज्य निर्माण के पश्चात राज्य एवं केन्द्र की विभिन्न योजनाओं जैसे कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, नील काति, प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना आदि के माध्यम से मछली पालन विकास के सतत् प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य में कुल 1,30,001 जल स्त्रोत (2.039 लाख हेक्टेयर) उपलब्ध है जिनमें 98 प्रतिशत् में किसी न किसी रूप में मत्स्य पालन हो रहा है। 3571 किलोमीटर का नदीय जलक्षेत्र भी उपलब्ध है। सघन मत्स्य पालन हेतु अतिरिक्त जलक्षेत्र निर्मित किया जा रहा है, अब तक कुल 7580 हेक्टर जलक्षेत्र निजी क्षेत्र में अतिरिक्त निर्मित हो चुका है।

मछली पालन हेतु गुणतत्ता युक्त मत्स्य बीज एक आधारभूत आवश्यकता है। राज्य को मत्स्य बीज के क्षेत्र में अग्रणी बनाने हेतु निरंतर प्रयास जारी है। अब तक कुल 82 नवीन हैचरी निर्मित कर 120 हैचरियों के माध्यम से 583 करोड़ मत्स्य बीज प्रति वर्ष उत्पादित हो रहा है, एवं राज्य देश में 6 वें स्थान पर है। हमारा राज्य मत्स्य बीज उत्पादन में न सिर्फआत्मनिर्भर हुआ अपितु अन्य राज्यों को निर्यात भी हो रहा है।

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं जांजगीर में थोक मत्स्य बाजार की स्थापना

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि विपणन व्यवस्था को सुदृढ बनाने एवं उपभोक्ता तक ताजी मछली पहुंचाने के लिए 1008 मोटर साइकल, आईस बॉक्स, 10 थी व्हीलर एवं 05 इन्सुलेटेड ट्रक, 114 वाहन (लाइव फिश वेडिंग सेन्टर) वितरित किए गए। रायपुर दुर्ग बिलासपुर एवं जांजगीर में थोक मत्स्य बाजार की स्थापना की गई। मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर मछुआ संघ की ओर से हितग्राहियों को लाभांश राशि का चेक प्रदान किया।

कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा और रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने भी सम्बोधित किया। मछलीपालन पालन विभाग के संचालक श्री एमएस नाग ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि भारत के मध्यस्थल पर स्थित प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में मत्स्य पालन विकास काफी प्रगति पर है। राज्य में उपलब्ध जल संसाधन की दृष्टि से मछली पालन एक विशिष्ट स्थान रखता है, राज्य की भौगोलिक एवं कृषि जलवायु स्थितियां भी मछलीपालन हेतु उपयुक्त है। यह ग्रामीण क्षेत्रों की बेरोजगारी दूर करने का सशक्त साधन है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी वर्ग के प्रगतिशील मछुआरों को मछलीपालन की आधुनिक तकनीकी पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 1840 प्राथमिक मत्स्य सहकारी समितियों के माध्यम से 63 हजार 280 सदस्य मत्स्य पालन कर रहे हैं।

संगोष्ठी में मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. लखन लाल धीवर, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू निषाद, मछुआ कल्याण बोर्ड के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री बसंत तारख और श्री रामकृष्ण धीवर सहित बड़ी संख्या में मत्स्य किसान शामिल थे।

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला...दिल्ली-हरियाणा समेत 4 राज्यों को कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को भत्ता देने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ग्रैप 3 के लागू होने के बाद बेरोजगार हुए मजदूरों को निर्वाह भत्ता देने के निर्देश दिए हैं. दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया था. मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इन चारों राज्यों की सरकारों को वायु प्रदूषण कम करने के लिए निवारक उपाय लागू करने और उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया. दरअसल, वायु प्रदूषण के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए राज्य सरकारों ने कई तरह के प्रतिबंधों का एलान किया है. जिसमें ग्रेडेड एक्शन रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल (ग्रैप) के लेवल 3 पर बैन लगाया गया है. इसकी वजह से जिन राज्यों में वायु प्रदूषण काफी तेजी से बढ़ रहा है, उन राज्यों में निर्माण कार्यों में रोक लगा दी गई. राज्य सरकार द्वारा रोक लगाए जाने के बाद लाखों की संख्या में मजदूर बेरोजगार हो गए. जिसमें सुप्रीम कोर्ट को एक्शन लेना पड़ा. कोर्ट ने ऐसे 4 राज्यों को निर्देश दिया है कि ग्रैप-4 लागू करने वाले राज्य बेरोजगार मजदूरों को गुजारा भत्ता दिलाए. इसके साथ ही वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सही कदम उठाने और समीक्षा करने के भी आदेश दिए हैं. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी राज्य हर महीने वायु प्रदूषण की समीक्षा कर उसकी लिस्ट बनाएं. इस मामले की सुनवाई हर महीने की जाएगी ताकि ताजा हालातों पर नजर बनी रहे. वायु प्रदूषण को कम करने के प्रयासों का स्वागत है. लेकिन सभी पहलुओं और हितधारकों पर निर्णय लेते समय ध्यान रखना जरूरी है.

कांग्रेस को लेकर पीएम मोदी का तंज

ऑडियंस में बैठे शशि थरूर ने बाद में की तारीफ

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम के दौरान गुलामी की मानसिकता का जिक्र करते हुए कांग्रेस(कांग्रेस) को जमकर सुनाया। एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा छ राजनीतिक दल और नेता सामाजिक न्याय के नाम पर केवल अपने हित साधते हैं।

कांग्रेस सरकारों ने 'अर्बन नक्सलियों' को शीर्ष पद दिए; 'मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस' अब भी राष्ट्रीय हित को दरकिनार कर रही है। इस कार्यक्रम की ऑडियंस में कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर भी मौजूद थे। उन्होंने पीएम मोदी के भाषण के कुछ अंश साझा करते हुए सोशल मीडिया पर पीएम मोदी की जमकर तारीफकी है। हालांकि भाषा को लेकर उन्होंने इतना जरूर कहा कि उम्मीद है प्रधानमंत्री अंग्रेजी के योगदान पर भी ध्यान देते होंगे।

शशि थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री ने गुलामी की मानसिकता से निकलने और रचनात्मक विकास पर बल दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब केवल एक उभरता हुआ बाजार नहीं बल्कि दुनिया के लिए एक मॉडल है। शशि थरूर ने कहा, पीएम मोदी ने अपने भाषण में जिक्र किया कि लोग आरोप लगाते हैं कि वह हमेशा चुनाव के मूड में ही रहते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। लोगों की समस्याओं को लेकर मैं भावनात्मक मूड में रहता हूं। शशि थरूर ने आगे कहा, इस भाषण का महत्वपूर्ण हिस्सा यह था कि पीएम मोदी ने मैकॉले के 200 साल के थोपी गई गुलामी की मानसिकता से निकलने और 10 साल अपनी संस्कृति, भाषा और नॉलेज सिस्टम को रीस्टोर करने में लगाने की बात कही है। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिया होगा कि रामनाथ गोयंका ने कैसे अंग्रेजी भाषा में राष्ट्रवाद की आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण आर्थिक परिदृश्य, सांस्कृतिक आह्वान और अथक परिश्रम की प्रेरणा से ओतप्रोत था।

बता दें कि पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम में कहा, वैश्विक अस्थिरता के बावजूद हमारी जीडीपी लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है; भारत न केवल एक उभरता हुआ बाजार है, बल्कि एक उभरता हुआ मॉडल भी है। दुनिया भारत के विकास मॉडल को 'उम्मीद के मॉडल' के रूप में देख रही है। आज का भारत विकसित राष्ट्र बनने के लिए व्यग्र है, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वह तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोगों का कल्याण करने के लिए व्यक्ति को भावनात्मक होकर काम करना चाहिए, चुनाव को ध्यान में रखकर नहीं। हम चुनाव जीतते हैं क्योंकि हम विकास और कल्याण के लिए चौबीस घंटे प्रतिबद्ध हैं।

सरकार का बड़ा फैसला : कुत्ते के काटने पर मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली। डॉग बाइट के मामलों ने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर बड़ा समस्या खड़ी कर दी है. सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में चिंता जाहिर की है. उच्चतम न्यायालय ने डॉग्स के वैक्सीनेशन के लिए राज्यों को आदेश दिया था. इस बीच कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. राज्य सरकार ने डॉग बाइट से पीड़ितों को मुआवजा देने का ऐलान किया है.

मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 5 लाख रुपये

कर्नाटक सरकार ने कुत्तों के काटने से मरने वालों के परिजनों को 5 लाख रुपये देने का ऐलान किया है. इसके साथ ही डॉग बाइट, काटने के बाद काला निशान होने पर या कई बार काटने की स्थिति में सरकार 5 हजार रुपये का मुआवजा सरकार देगी. इसके अलावा पीड़ितों को 3500 रुपये और सुवर्णा आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट को 1500 रुपये का भुगतान किया जाएगा.

कर्नाटक सरकार से पहले हरियाणा ने भी सितंबर में कुत्ते के काटने पर मुआवजा देने का ऐलान किया था. राज्य सरकार

द्वारा तय न्यूनतम राशि 10 हजार रुपये है, जो प्रति दांत (डॉग बाइट) निर्धारित होगी. शरीर में र 0.2 सेमी घाव होने पर 20 हजार रुपये दिया जाएगा. मुआवजा राशि सीधे पीड़ितों तक पहुंचे, इसके लिए हरियाणा के हर जिले में समिति का गठन किया गया है.

देश भर में साल 2024 में 37 लाख डॉग बाइट के मामले दर्ज हुए थे. रेबीज की वजह से 54 मौतें हुई थीं. पशुपालन मंत्रालय के डाटा के अनुसार साल 2024 में महाराष्ट्र और तमिलनाडु में 4.80 लाख, गुजरात में 3.90 लाख, कर्नाटक में 3.60 लाख, बिहार में 2.60 लाख और केरल में 1.10 लाख मामले सामने आए. कुत्तों की नसबंदी की जाए, डीवार्मिंग और वैक्सीनेशन भी किया जाए. . स्कूलों, अस्पतालों आदि के आसपास ऊंची दीवार या बाड़ लगाई जाए. रेबीज से संक्रमित या आक्रामक कुत्तों की उचित व्यवस्था की जाए.

एनआईएफटीईएम ने दिया मोटे अनाज से बेकरी उत्पाद निर्माण का जशपुर में प्रशिक्षण

पोषण तत्वों के साथ ही रोजगार के अवसरों की दी जानकारी

रायपुर। एनआईएफ़टीईएम के छात्रों ने मोटे अनाज में पाए जाने वाले फ़ाइबर, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स के महत्व के साथ ही इनके नियमित उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं को मोटे अनाज आधारित उत्पादों से होने वाली आमदनी और बाज़ार संभावनाओं के बारे में भी बताया गया।

हरियाणा के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फ़ूड टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट द्वारा महुआ पर स्थापित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में विगत दिवस मोटे अनाज के पोषण तत्वों और इनके उपयोग से बेकरी उत्पाद बनाने संबंधी हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में स्व सहायता समूह की 25 महिलाओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य नान खटाई, न्यूट्रीबार, कुकीज़ जैसे बेकरी आइटम्स में मोटे अनाज का उपयोग बढ़ाकर इनके पोषण स्तर में वृद्धि करना और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करना है। यह प्रशिक्षण जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

जशपुर में एनआईएफ़टीईएम टीम वैल्यू-एडेड फ़ूड प्रोडक्ट्स के उत्पादन के साथ-साथ पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है। यह पूरी पहल स्थानीय समुदायों को खाद्य प्रसंस्करण आधारित उद्यमिता से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत की जा रही है। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. प्रसन्ना कुमार जी.वी. और श्री अभिमन्यु गौर कर रहे हैं, जबकि यह कार्यक्रम एनआईएफ़टीईएम के डायरेक्टर डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय के निर्देशन में संचालित हो रहा है। कार्यक्रम के संचालन और विभिन्न गतिविधियों के समन्वय में मिशन मैनेजर श्री विजय शरण प्रसाद और जय जंगल एफ्पीसी जशपुर के डायरेक्टर श्री समर्थ जैन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

एनएसयूआई प्रदेश सचिव रंजेश सिंह ने कुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

दीक्षांत समारोह में हो रहे लाखों के खर्च पर रोक लगाने की मांग

बिलासपुर

एनएसयूआई प्रदेश सचिव रंजेश सिंह के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलसचिव तारनीश गौतम को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह के नाम पर हर साल किए जा रहे लाखों रुपये के अनियमित और गैर-जरूरी खर्च पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। रंजेश सिंह ने कहा कि आमदनी चवन्नी और खर्चा रुपैया जैसी स्थिति विश्वविद्यालय में निर्मित हो चुकी है। बिना निविदा प्रक्रिया, बिना प्रकाशन और बिना कार्यपरिषद की स्वीकृति के ही 23.60 लाख रुपये का टेंट (डोम) संबंधित टेंडर जारी कर दिया गया, जो नियमों का खुला उल्लंघन है।

ज्ञापन में प्रमुख तीन मांगें रखी गईं—

1. दीक्षांत समारोह पर अत्यधिक खर्च रोकने की मांग: रंजेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय हर वर्ष 60 लाख से अधिक राशि केवल दीक्षांत समारोह पर खर्च कर रहा है। जबकि पं. रविशंकर विश्वविद्यालय और हेमचंद यादव विश्वविद्यालय जैसे अन्य राजकीय विश्वविद्यालय कम व्यय में यह कार्यक्रम करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में आज तक हॉस्टल जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, ह्रष्ट मूल्यांकन नहीं हो पाया है, और आर्थिक अभाव के कारण पुलिस विभाग को क्वार्टर बनाने हेतु जमीन तक बेचनी पड़ी—ऐसे में लाखों रुपये समारोह पर खर्च करना छात्र हित में नहीं है।

2. सभी खरीदीङ्कबिक्री में पारदर्शिता और भंडार क्रय नियमों का पालन: नेताओं ने मांग की कि हर खरीद प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ हो, जिससे छात्रों के पैसों के दुरुपयोग पर रोक लगे और किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने जैसी स्थितियां समाप्त हों।

3. छात्रहित के अनुरूप ही खर्च का निर्धारण: ज्ञापन में कहा गया कि विश्वविद्यालय को अपनी आमदनी के अनुसार ही कार्यक्रमों में खर्च करना चाहिए। अनावश्यक खर्च का सीधा प्रभाव छात्रों की जेब पर पड़ता है और बजट की कमी के कारण छात्र आवश्यक सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। रंजेश सिंह ने चेतावनी दी कि यदि छात्रहित में त्वरित निर्णय नहीं लिए गए, तो एनएसयूआई सैकड़ों छात्रों के साथ आंदोलन करने के लिए विवश होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रबंधन की होगी।

कुलसचिव ने दिया आश्वासन: कुलसचिव तारनीश गौतम ने ज्ञापन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित नियमों का पालन करने के मौखिक निर्देश दिए। साथ ही दीक्षांत समारोह में हो रहे अत्यधिक व्यय पर पुनर्विचार करते हुए छात्रहित में उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि: इस दौरान रंजेश सिंह के साथ पुष्पराज साहू, सुमित ठाकुर, कटघोरा विधानसभा अध्यक्ष सौरभ घृतलाहरे, विनीता विश्वकर्मा, यसोदा वारे, साईना बर्मन, राजा खान, आयुष तिवारी, आदित्य अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, रेहान खान सहित अनेक छात्र नेता उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान की पाँचवीं वर्षगांठ पर अधिकारियों और युवाओं ने लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

बिलासपुर

जेपी वर्मा कॉलेज में बुधवार को नशामुक्त भारत अभियान की पाँचवीं वर्षगांठ बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों और सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और प्रभावशाली बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय सूर्यवंशी जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती पूजा विधानी जी, अति विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह जी एवं ब्रह्माकुमारी स्वाति दीदी जी, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस. एल. निराला जी तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारी टी. पी. भावे और प्रशांत मोकाशे उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय सूर्यवंशी जी ने ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्ति की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि जागरूकता के माध्यम से ही स्थायी बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने पंचायत स्तर पर ऐसे अभियानों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। महापौर पूजा विधानी ने कहा कि एक नशामुक्त समाज ही स्वस्थ और प्रगतिशील शहर की नींव बन सकता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने कहा कि प्रशासन नशा उन्मूलन की दिशा में लगातार कड़े कदम उठा रहा है, परंतु समाज की सक्रिय भागीदारी के बिना यह प्रयास अधूरा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे को फैशन समझने की भूल न करें और स्वयं भी नशामुक्त रहने का संकल्प लें, साथ ही अपने मित्रों को भी सही दिशा दिखाएँ।

ब्रह्माकुमारी स्वाति दीदी ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में आध्यात्मिक शक्ति, आत्म-सम्मान और जीवन-मूल्यों की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशा तब जन्म लेता है जब मन कमजोर पड़ता है। यदि व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मकता, आत्म-संयम और दिव्य भावनाओं को जाग्रत रखे, तो नशे से स्वाभाविक रूप से दूरी बनी रहती है। उनके सरल और प्रभावशाली विचारों ने उपस्थित छात्रों में नई ऊर्जा और जागरूकता का संचार किया। महाविद्यालय के प्राचार्य निराला जी ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में भी मार्गदर्शन देती है। उन्होंने कॉलेज परिसर को पूरी तरह नशामुक्त रखने की पहल को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प दोहराया।

इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि से माँ सरस्वती जी के सामने दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद समाज कल्याण विभाग के टी. पी. भावे ने अतिथियों का स्वागत करते हुए नशामुक्त भारत अभियान के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त का हस्तानांतरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कार्यक्रम सम्पन्न

बिलासपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त का हस्तानांतरण एवं प्रधानमंत्री के द्वारा किसानों के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माधो सिंह , प्रदेशाध्यक्ष, भारतीय किसान संघ ने प्राकृतिक खेती एवं देशी नस्ल के गौ पालन पर प्रकाश डाला। लक्ष्मी साहू, जिलाध्यक्ष, भारतीय किसान संघ ने किसानों को 21वीं किस्त के हस्तानांतरण की शुभकामनायें प्रदान की। डॉ. एन.के. चैरे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए इस सम्मान निधि का कृषि के क्षेत्र में सदुपयोग करने के लिए किसान बंधुओं से अपील की। कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. गीत शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त के तहत किसानों को रू. 18 हजार करोड़ की सम्मान राशि के हस्तानांतरण के उपलक्ष्य में जिले के सभी कृषकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर किसानों के हित के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रही है। इस कड़ी में प्राकृतिक खेती, दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने एवं फसल विविधिकरण पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारीगण डॉ. शिल्पा कौशिक, डॉ. अमित शुक्ला, श्री जयंत साहू, डॉ. एकता ताम्रकार, इंजी. पंकज मिंज, श्रीमती हेमकांति बंजारे, डॉ. चंचला रानी पटेल, श्रीमती सुशीला ओहदार, डॉ. स्वाति शमा, श्री संतोष वर्मा, श्री इंद्रराम पटेल एवं राजू कश्यप तथा कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर के छात्र-छात्राओं एवं बड़ी संख्या में कृषकों ने अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिल्पा कौशिक ने किया एवं डॉ. अमित शुक्ला ने

सड़कों से संवरता कल, जुड़ेगा हर घर—बिलासपुर में तोखन साहू की पहल से विकास को मिली गति

बिलासपुर

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)) वर्ष 2025ङ्क26 के प्रथम चरण में बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। केंद्र सरकार ने कुल 27 नई ग्रामीण सड़कों की स्वीकृति प्रदान की है। 81.84 किलोमीटर लंबाई वाली इन परियोजनाओं के लिए 67.61 करोड़ रुपये का अनुमोदन दिया गया है। ये स्वीकृतियां ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से लंबित संपर्क मार्गों की मांगों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

इस उपलब्धि के पीछे बिलासपुर लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू के सतत प्रयास निर्णायक रहे। श्री साहू ने क्षेत्र के दुर्गम गांवों की सड़क समस्याओं, आवागमन की कठिनाइयों और नागरिकों की वास्तविक जरूरतों को कई बैठकों, निरीक्षणों तथा पत्राचार के माध्यम से केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा। उनके द्वारा भेजी गई संस्तुतियों को प्राथमिकता देते हुए मंत्रालय ने प्रथम चरण में ही बड़ी संख्या में मार्गों को मंजूरी दी है।

स्वीकृत सड़क परियोजनाएं मुख्यत: तखतपुर, मल्हार, कोटा और मस्तुरी विकासखण्डों में केंद्रित हैं। प्रमुख स्वीकृत मार्गों में शामिल हैं: कोटा विकासखण्ड : सिलट्रा चोरभट्टी, खपरीतरपानी। मस्तुरी विकासखण्ड : बोहनी पथारी, डोंगियाभाठा लिंगियाडीह, जयरामनगरनवागांव। तखतपुर विकासखण्ड : रतनपुर, बेलतरा अमलीडीह, चिल्हाटी, पौंड़ी, पेंड्रीडिह के अंतर्गत कई मार्ग। इसके अलावा मटियारो, पंडरिया, सेमरतराई, मचखुता सहित अन्य गांव भी परियोजनाओं में सम्मिलित हैं।

इस स्वीकृति से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सुगम यातायात, किसानों के लिए परिवहन सुविधा में सुधार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओं तक बेहतर पहुंच तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है। बिलासपुर क्षेत्र के गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र सरकार द्वारा दी गई यह स्वीकृति क्षेत्र के लाखों नागरिकों को सीधा लाभ देगी।

खास खबर

शारीरिक दक्षता के निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 24 नवंबर

एमसीबी। जिला रोजगार अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती वर्ष 2025-26 के अंतर्गत थल सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा का परिणाम जारी किए जाने के पश्चात प्रारंभिक रूप से चयनित अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित कराने हेतु निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 1.6 किमी दौड़, बीम, पुल-अप, 9 फीट गड्ढा कूद सहित शारीरिक दक्षता से संबंधित प्रमुख अभ्यास शामिल रहेंगे। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा

खाकी के डर से शराब के राजस्व में वृद्धि, जाने कैसे?

एमसीबी, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी

इन दिनों जिले की आबोहवा बदल रही, खाकी और खाकी रंग का डंडा अवैध कार्यों में संलिप्तों पर कहर बनकर बरस रहा है, घर के गार्जियन अब अपने नाबालिक बच्चों को दोपहिया वाहन देने से डरने लगे है तो वही हेलमेट की अनिवार्यता और सीटबेल्ट की सुरक्षा चार पहिया वाहनों में दिखाई दें रही है, यह सब मुमकिन हो पाया है नव नियुक्त एसपी श्रीमती रत्ना सिंह और चिरमिरी टाउन इंस्पेक्टर विजय सिंह, मनेंद्रगढ़ टाउन इंस्पेक्टर दीपेश सैनी, पोड़ी टाउन इंस्पेक्टर राजवीर गायकवाड़ और खड़गवां थाना प्रभारी सुनील तिवारी तथा जिला साइबर प्रभारी पाटले की बदौलत। चलिए जानते है यह अचानक से कैसे हो पाया।

दरअसल मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने चुनाव के दौरान विधानसभा की जनता से वायदा किया था कि पूरे विधानसभा में गैर कानूनी कार्य पूरी तरह से बंद करा दिया जाएगा, खासतौर पर वह नशीली वस्तुएं जिसके चपेट में विधानसभा का एक बड़ा तबका फसता जा रहा है। विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के लाख प्रयास के बाद भी पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता अवैध कार्यों पर अंकुश लगा पाने में नाकाम होती रही और विपक्ष इसे मुद्दा बनाता रहा लिहाजा इसके पीछे का मुख्य कारण जब सामने निकल कर आया तो प्रशासनिक फेरबदल कर जिले की कमान नव नियुक्त श्रीमती रत्ना सिंह को सौंपी गई और उन्होंने आते ही 15 दिनों के भीतर उसी खाकी में कसावट पैदा कर दी, ये वही खाकी है जो पहले अपने कार्यप्रणाली को लेकर बदनाम रही, अब वही एक के बाद कार्यवाही कर अवैध काम करने वालों के हौसले पस्त कर रहे है। जानकारी के अनुसार चिरमिरी में टाउन इंस्पेक्टर विजय सिंह पहले यातायात सुरक्षा को लेकर समझाइश दिए फिर गुलाब का फूल देकर नियमों का पालन करने वालों को सम्मानित भी किया और अब बीते कुछ दिनों से सिलसिलेवार दविश की कार्यवाही कर अवैध कारोबारियों में दहशत पैदा करने में भी पीछे नहीं है। उन्होंने हाल ही में कड़ी कार्यवाही करते हुए न्यायालय के माध्यम नाबालिक से वाहन चलवाले के आरोप से दंडित तक कराने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाई। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ की बात की जाय तो जहां कभी भी होटलों में शराब परोसने का काम बंद नहीं हुआ, नशीली दवाइयां, जुआं और सट्टे पर अकुंश नहीं लगा वहां अब सायबर तथा टाउन इंस्पेक्टर सैनी के सख्त कदम ने सालों से चल रहे अवैध कार्यों को बंद करा दिया है। यहां जमे संचालकों में हड़कंप है। बीते 15 दिनों से विधानसभा के सभी थानों की रेगुलर रिपोर्टिंग कर रही कप्तान सुस्त पुलिसिया को चुस्त पुलिसिंग में बदल कर यह साबित कर दी है कि यदि नेतृत्वकर्ता चाहे तो पुलिसिंग में खाकी और उसका अहम रोल हमेशा जनता और जनसेवा के लिए सर्वोपरि रहेगा ।

कैसे बढ़ा शराब का राजस्व

हालांकि यह सुनना कोई खुशी की बात नहीं है कि जिले में इन दिनों शराब की खपत बढ़ गई है और यह क्षेत्र को गौरवान्वित करेगा लेकिन जिस तरह से नशीली दवाइयां, इंजेक्शन, देशी शराब की खपत शहरों में बड़ी मात्रा में की जा रही थी उस पर अचानक से लगा अंकुश उन सभी लोगों के लिए परेशानी पैदा करने वाला है । शहर के उन इलाकों में जहां नशीली सामग्री आसानी से मुहैय्या हो जाया करती थी वहां के संचालक या तो फरार हो चुके है या फिर जेल में, कुछेक तो जिलाबदर का भी दंश झेल रहे है ऐसे में इंजेक्शन, नशीली दवा, देशी शराब और गांजा पीने वाले मजबूरन सरकारी शराब दुकान पहुंचने लगे है, लिहाजा शराब दुकानों के राजस्व में अचानक से तेजी आ गई है, सूत्रों के मुताबिक चिरमिरी जैसे एक शराब दुकान में ही प्रतिदिन 50000 से 70000 तक के राजस्व में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

सामाजिक सौहार्द की पहल: आदर्श पड़ोसीआदर्श समाज, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद की देशभर में 10 दिवसीय जागरूकता मुहिम

बिलासपुर

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के प्रदेश अध्यक्ष शफीक अहमद ने आदर्श पड़ोसी, आदर्श समाज' के नारे के साथ पड़ोसियों के अधिकारों को लेकर दस-दिवसीय देशव्यापी मुहिम शुरू करने की घोषणा की है। यह मुहिम 21 से 30 नवंबर 2025 तक पूरे देश में चलेगी, जिसका उद्देश्य पड़ोसियों के प्रति अच्छे व्यवहार और सद्भावना की भावना को फिर से जगाना और सामुदायिक संबंधों को मज़बूत करना है।

मीडिया को जारी एक बयान में जमाअत के अध्यक्ष शफीक अहमद ने कहा, इस्लाम पड़ोसियों के अधिकारों को बड़ा महत्व देता है और इसे एक सामंजस्यपूर्ण समाज की आधारशिला मानता है। कुरआन में अपने अनुयायियों को स्पष्ट रूप से न केवल निकटम पड़ोसियों के साथ, बल्कि 'अस्थाई पड़ोसी' के रूप में निकट आए लोगों के साथ भी अच्छा व्यवहार करने का आदेश दिया गया है जिसमें सहकर्मी, सहयात्री और यहाँ तक कि सड़क पर हमारे साथ चलने वाले लोग भी शामिल हैं। इस मुहिम के ज़रिए, हम मुसलमानों को इन अनिवार्य शिक्षाओं की याद दिलाना चाहते हैं और उन्हें अच्छे पड़ोसी बनने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं, ताकि समाज के सामने इस्लाम का सही चेहरा पेश किया जा सके। शफ़ीक़ अहमद ने कहा, अच्छे रिश्तों की नींव पर बना समाज अपने आप ही एक मिसाली समाज बन जाता है। जब पड़ोसी एक-दूसरे के साथ दया, क्षमा और इंसाफ़के साथ पेश आते हैं, तो इससे उठने वाली लहर पूरे समाज को परिवर्तित कर देती है। हमें उम्मीद है कि यह मुहिम न सिर्फ़ पड़ोसियों के बीच के झगड़े सुलझाएगी, बल्कि दया और सामाजिक ज़िम्मेदारी जैसे इस्लामी मूल्यों का एक मज़बूत सबूत भी बनेगी।

पड़ोसियों के अधिकार मुहिम के प्रदेश संयोजक मोहम्मद वाहिद सिद्दीकी ने बताया कि यह मुहिम शहरी इलाकों में बढ़ते अकेलेपन की भावना को सम्बोधित करती है, जिसकी वजह से पड़ोसी रिश्तों की अनदेखी हो रही है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस मुहिम का मकसद आपसी हमदर्दी, सहयोग, साफ़-सफ़ाई और ट्रैफ़िक डिसिप्लिन को बढ़ावा देना है जिसे इस्लाम अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी मानता है।

इस मुहिम में कई तरह कार्यक्रम होंगे, जैसे सभी धर्मों के पड़ोसियों के साथ मीटिंग, चाय सभाएं, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष प्रोग्राम, मोहल्लों में सफाई मुहिम, रास्ते के अधिकारों पर जागरूकता रैलियां, और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं।

सामाजिक समरसता पर समाजसेवी संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक 7 दिसंबर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सामाजिक एकता और भाईचारे के माहौल को कुछ असामाजिक एवं विध्वंसक तत्वों द्वारा प्रभावित किए जाने की हालिया घटनाओं के बाद प्रदेश के समस्त सामाजिक प्रमुखों, संतों और विभिन्न संगठनों ने मिलकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। मालूम हो कि बीते दिनों छत्तीसगढ़िया परदेसिया जैसे भ्रामक नारों के माध्यम से समाज में फूट डालने और आपसी सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास किया गया, जिससे विभिन्न समाजों में गहरी चिंता व्याप्त है। सामाजिक नेताओं का कहना है कि यदि समय रहते इन कुटिल प्रयासों पर रोक नहीं लगाई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है इसी संदर्भ में 7 दिसंबर 2025 को एक संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रदेश के प्रमुख सामाजिक प्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी और संतजन उपस्थित रहेंगे। बैठक में सामाजिक समरसता को मजबूत करने, भाईचारे की परंपरा को आगे बढ़ाने तथा असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध सामूहिक रणनीति तैयार की जाएगी।

इसके साथ ही सनातन धर्म के उत्सवों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की फूहड़ता रोकने, तथा गणेश-देवी प्रतिमाओं को उनके वास्तविक, वैदिक स्वरूप में स्थापित करने के बारे में समाज को जागरूक करने पर भी चर्चा होगी। बैठक विवरण तिथि: 07 दिसंबर 2025 स्थान: दीनदयाल ऑडिटोरियम, रायपुर आयोजकों ने सभी सामाजिक प्रमुखों एवं संगठनों से इस महत्वपूर्ण बैठक में सहभागी बनने और अपने सुझाव साझा करने का आग्रह किया है।

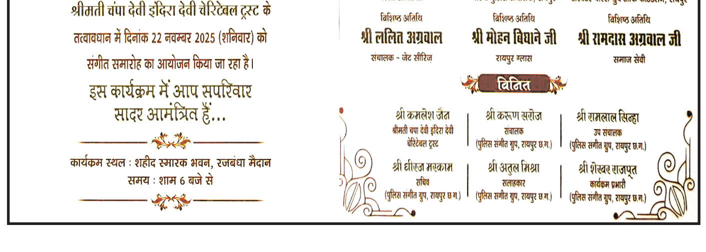

[खास खबर]

प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय गड़बड़ी उजागर, ग्राम रौद्रा के सचिव और कर्मचारियों पर निलंबन व सेवा समाप्ति की कार्रवाई

बेमेतरा (ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज)। ग्राम मोतेसरा, ग्राम पंचायत रौद्रा जनपद पंचायत साजा में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत गंभीर वित्तीय अनियमितता सामने आई है। शिकायतकर्ता नीलम निषाद सहित ग्रामीणों द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर जिला स्तरीय जांच समिति ने मामले की जांच की। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आवास हितग्राही कल्याणी बाई राधेश्याम एवं दुगधी बाई सुकालू ग्राम मोतेसरा के मकान निर्माण न होने के बावजूद प्रति हितग्राही ?95,000-?95,000 की राशि जारी कर दी गई। आरोप था कि यह राशि भ्रष्टअधिकारी-कर्मचारियों व रोजगार सहायक की मिलीभगत से बिना निर्माण कार्य के ही अंतरित कर शासन की राशि का गबन किया गया।जिला स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि दोनों हितग्राही पहले से ही पक्के मकान वाले अपात्र थे। इसके बावजूद उन्हें कुल ?1,90,000 की राशि जारी की गई। जांच में दोषी पाए गए अधिकारी एवं कर्मचारियों से यह संपूर्ण राशि की वसूली कर ली गई है। कड़ी कार्रवाई करते हुये सचिव निलंबित, रोजगार सहायक व आवास मित्र की सेवा समाप्त कि गई हैं।वित्तीय अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है रोशन साहू, सचिव मूल प्रभार-ग्राम पंचायत किरकी, अतिरिक्त प्रभार-ग्राम पंचायत रौद्रा को निलंबित किया गया। विश्राम साहू, तत्कालीन सचिव, ग्राम पंचायत रौद्रा, जनपद पंचायत साजा, को भी निलंबित किया गया भुनेश्वरी साहू, तत्कालीन ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत रौद्रा, की सेवा समाप्त की गई। मीना साहू, आवास मित्र, ग्राम पंचायत रौद्रा, की भी सेवा समाप्ति की कार्यवाही की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भविष्य में ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बेमेतरा जिले की बहेरघट व डंगनिया (ख) रेत खदानों की ई-नीलामी संपन्न

लॉटरी के माध्यम से अधिमानी बोलीदारों का चयन

बेमेतरा (ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज)। छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय नियम, 2025 के अंतर्गत बेमेतरा जिले की बहेरघट एवं डंगनिया (ख) रेत खदानों की ई-नीलामी रिवर्स ऑक्शन प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। जिला बेमेतरा द्वारा ई-निविदा ईवेंट (डंगनिया-ख) के लिए 07 से 13 नवंबर 2025 तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त निविदाओं को 14 नवंबर 2025 को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट दिशा सभाकक्ष, बेमेतरा में खोला गया। ई-नीलामी प्रक्रिया में रेत खदान बहेरघट के लिए कुल 18 तथा डंगनिया (ख) के लिए 10 बोलीदारों ने भाग लिया। तकनीकी दस्तावेजों के परीक्षण में बहेरघट हेतु 17 तथा डंगनिया (ख) हेतु 09 बोलीदार पात्र पाए गए, जबकि दोनों खदानों से 01-01 बोलीदार के दस्तावेज अपूर्ण पाए जाने पर उन्हें अपात्र घोषित किया गया। इसके बाद पात्र बोलीदारों की वित्तीय बोलियां खोली गईं, जिसमें सभी ने समान न्यूनतम बोली ?52.50 (अक्षरी-बावन रुपये पचास पैसे मात्र) लगाई। न्यूनतम बोली राशि एक जैसी होने के कारण नियम 7(4) के अनुसार दोनों खदानों के लिए लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई।लॉटरी परिणाम इस प्रकार रहे रेत खदान बहेरघट: श्री प्रतीक सिंह राजपूत, पिता श्री कमलनारायण सिंह राजपूत, निवासी परपोड़ा, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा। रेत खदान डंगनिया (ख): श्रीमती विधी नवलानी, पति श्री जयेश कुमार नवलानी, निवासी वार्ड 07, गांधी चौक उत्तर कुरुद, जिला धमतरी। दोनों विजेता बोलीदारों को प्रारूप-03 के तहत अधिमानी बोलीदार घोषित किया गया है तथा उन्हें कार्यपालन प्रतिभूति जमा करने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रतिभूति जमा होने के उपरांत संबंधित रेत खदानों के संचालन हेतु माइनिंग प्लान, पर्यावरण स्वीकृति तथा कार्य अनुमति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बेमेतरा जिले की दोनों रेत खदानों की ई-नीलामी पारदर्शी, नियमों के अनुरूप तथा सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

बेमेतरा नगर सहित जिला मे गृह सम्पर्क अभियान प्रारम्भ घर घर मे पहुंच रहे है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक

बेमेतरा

बेमेतरा जिले में बिते दिन गुरुवार को बेमेतरा नगर सहित जिला मे गृह सम्पर्क अभियान प्रारम्भ प्रत्येक हिन्दू घर संघ के स्वयंसेवकों कि टोली पहुंच रहे है,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कि सौ वर्ष कि कार्यों कि जानकारी के सहित पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी को अपने जीवन समाज के लोगो मे जागरूकता आये और पालन करे आग्रह टोली के द्वारा किया जा रहा है साथ ही भारत माता का छाया चित्र, पत्रक, सशुल्क साहित्य चर्चा उपरांत भेट कर रहे है। बेमेतरा के जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा जी, बेमेतरा जिला पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू जी, बेमेतरा तहसीलदार अनिरुद्ध मिश्रा जी,पत्रकार संजय दुबे जी, ईश्वर राजपूत जी से टोली मे प्रमुख रूप विभाग प्रचारक दुर्ग रोशन साहू, विभाग प्रचार दुर्ग प्रमुख बोधी राम निषाद, बेमेतरा नगर खण्ड, साजा खण्ड प्रचारक राजकुमार महंत, नगर कार्यवाह नीलेश साहू जी उपस्थित रहे,समाज के सभी वर्गो मे संघ के कार्यों कि जानकारी को लेकर उत्सुकता और सराहना है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का कलेक्टर ने लिया जायजा

बलरामपुर

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखंड बलरामपुर के ग्राम जाबर, पचावल तथा विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत भवरमाल पहुंचकर एसआईआर प्रक्रिया की प्रगति का अवलोकन किया और संबंधित बीएलओ तथा निहित अधिकारियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि सभी बूथ लेवल ऑफिसर सत्यापन कार्य को अत्यंत गंभीरता से एवं निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में गलत प्रविष्टि स्वीकार्य नहीं होगी। यदि किसी बिंदु पर संदेह हो, तो तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि 4 दिसम्बर तक सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है। कलेक्टर श्री कटारा ने ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों के माध्यम से सुबह-शाम मुनादी कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शत-प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने सभी बीएलओ को पात्र मतदाताओं के गणना पत्रक सावधानीपूर्वक भरने और सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। संकलन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु उन्होंने वॉलंटियर्स बनाने, जिनमें पंचायत सचिव और शिक्षित युवाओं को शामिल करने, तथा संकलित फार्मों के डिजिटाइजेशन में गति लाने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी पुट्टपर्थी पहुंचे, सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में जारी किया 100 रुपये का स्मारक सिक्का

ज्वाला एक्सप्रेस

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को श्री सत्य साईं बाबा जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ प्रधानमंत्री ने सत्य साईं बाबा के जीवन, सेवा और आध्यात्मिक दर्शन को समर्पित 100 रुपये का स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकटों का सेट जारी किया।

समारोह का पूरा वातावरण श्रद्धा, सेवा और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा हुआ था। इस अवसर पर सचिन तेंदुलकर, ऐश्वर्या राय बच्चन, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और जी किशन रेड्डी सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सत्य साईं बाबा का जन्म शताब्दी वर्ष केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि मानव समाज के लिए एक दिव्य वरदान है।

साईं बाबा भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी शिक्षा, करुणा, प्रेम और मानव सेवा का संदेश आज भी करोड़ों लोगों के जीवन को दिशा दे रहा है।उनका जीवन 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का जीवंत उदाहरण था, जिसमें संपूर्ण विश्व एक परिवार माना जाता है।

सेवा, शांति और प्रेम का वैश्विक संदेश

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा का प्रभाव केवल आश्रमों या प्रवचनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बड़े शहरों से लेकर गांवों तक स्कूलों से लेकर आदिवासी अंचलों तक शिक्षा, संस्कृति और स्वास्थ्य सेवाओं में अद्भुत सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि साईं बाबा के करोड़ों अनुयायी मानव सेवा ही माधव सेवा को अपने जीवन का मूल मंत्र मानकर निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं।साईं अस्पतालों की अनूठी मिसाल पीएम मोदी ने सत्य साईं अस्पतालों की सराहना करते हुए कहा यहां बिलिंग काउंटर नहीं होता,इलाज पूरी तरह नि:शुल्क है,

फिर भी मरीजों को मिलता है उच्च गुणवत्ता वाला उपचार, सम्मान और सुविधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मॉडल बाबा के त्याग और मानवता की सोच को दुनिया के सामने एक आदर्श के रूप में स्थापित करता है।

20,000 बेटियों के नाम सुकन्या समृद्धि खाते खुले

समारोह में प्रधानमंत्री ने बताया कि पुट्टपर्थी में 20 हजार बेटियों के नाम पर सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोले गए हैं। यह बेटियों की शिक्षा और भविष्य को संबल देने वाला बड़ा कदम है। देश में अब तक 4 करोड़ से अधिक बेटियों के खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में 3.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा राशि जमा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सत्य साईं बाबा का जीवन नई पीढ़ी को प्रेम, त्याग, सेवा और आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी भक्तों और देशवासियों को जन्म शताब्दी वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए दर्शनार्थियों में भारी उमंग एवं उत्साह का क्षण

सांसद संतोष पाण्डेय ने श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना अंतर्गत दुर्ग एवं बस्तर संभाग के 665 तीर्थ यात्रियों की स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

राजनांदगांव (ज्वाला एक्सप्रेस)। सांसद संतोष पाण्डेय ने आज रेल्वे स्टेशन राजनांदगांव से श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना अंतर्गत दुर्ग एवं बस्तर संभाग के 13 जिलों के 665 तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य शासन की महत्वपूर्ण श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना अंतर्गत प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन से जाने वाले दर्शनार्थियों में भारी उमंग एवं उत्साह का क्षण रहा। जयश्री राम के जयकारे के साथ ढोल-मंजीरे की मंगल ध्वनि के साथ श्रद्धालुओं को अयोध्या के लिए विदा किया गया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश के अंतिम छोर से श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के तहत प्रभु श्री राम के दर्शन के लिए सभी तीर्थ यात्रियों को नि:शुल्क ले जाना मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशीलता को प्रदर्शित कराता है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन से चौथी बार श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के तहत प्रभु श्री राम के दर्शन के लिए स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाया गया। श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना का प्रदेश के नागरिक लाभ ले रहे है। उन्होंने प्रभु श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया। उन्होंने दर्शनार्थियों से बातचीत कर तीर्थ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत किरण वैष्णव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत किरण साहू, सदस्य जिला पंचायत देवकुमार साहू, कोमल सिंह राजपूत, खूबचंद पारख, सचिन बघेल,भरत वर्मा, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में 7 दिसम्बर को अमीन भर्ती परीक्षाः व्यापम ने जारी किए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

मोहला (ज्वाला एक्सप्रेस)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल व्यापम द्वारा जल संसाधन विभाग अंतर्गत अमीन भर्ती परीक्षा 07 दिसंबर 2025 को राज्य के 16 जिलों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय पूर्वाहन 12:00 बजे से 2:15 बजे तक निर्धारित है। व्यापम ने परीक्षा के सुचारू संचालन और परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिनका पालन सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होगा। निर्देशों के अनुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा से एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केंद्र का अवलोकन कर लेना होगा तथा परीक्षा वाले दिन कम से कम दो घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना आवश्यक होगा। परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पूर्व, अर्थात 11:30 बजे, केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। व्यापम ने ड्रेस कोड भी अनिवार्य किया है, जिसके तहत अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनने होंगे और काला, गहरा नीला, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैगनी व गहरा चॉकलेट रंग पहनना प्रतिबंधित रहेगा। बिना पॉकेट वाला साधारण स्वेटर अनुमति योग्य होगा, जिसकी सुरक्षा जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। धार्मिक या सांस्कृतिक पोशाक में आने वाले अभ्यर्थियों को सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा और अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ेगा। इसके अलावा, परीक्षार्थियों को फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनने की अनुमति दी गई है, वहीं कान में किसी भी प्रकार का आभूषण पहनना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में मोबाइल, संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

महापौर की बेटी ने लगाया दहेज प्रताड़ना का आरोप

पति- ससुराल पक्ष पर मामला दर्ज, महिला थाने में ख्फॉर्च्यूनर न देने पर अपमान, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का आरोप

ज्वाला एक्सप्रेस

दुर्ग/भिलाई। दुर्ग जिले के रिसाली नगर निगम की महापौर शशि सिन्हा की बेटी अल्का साहसी (27) ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना, मानसिकशारीरिक हिंसा और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर भिलाई सेक्टर-6 के महिला थाना ने पति, सास, ससुर और दो अन्य पर दहेज उत्पीड़न की धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी के समय ही शुरू हुई मांगें: महापौर की बेटी हो, फॉर्च्यूनर देनी चाहिए थी शिकायत के अनुसार, अल्का की शादी 21 जनवरी 2025 को हुई थी।शादी के दौरान ही ससुराल पक्ष ने अल्का के माता-पिता को अलग ले जाकर कहा महापौर की बेटी होज फॉर्च्यूनर कार देनी थी। नहीं दोगे तो लड़की को ससुराल नहीं ले जाएंगे। परिवार ने टीवी, फ्रीज, एसी, जेवर और नकद रकम देने के बाद भी लगातार दहेज की मांग जारी रही। जगदलपुर में शुरू हुई प्रताड़ना, 'डायन' कहकर अपमानित किया शादी के तीसरे दिन पति चित्रांश साहसी अल्का को नगरनार, जगदलपुर स्थित विभागीय आवास ले गए। खाना में नुक्स बताकर गाली-गलौज,चरित्र पर संदेह,फोनपरिवार से बात करने पर रोक,निगरानी रखना,'डायन' कहकर अपमानित करना,कई बार मारपीट,छत से धक्का देने की धमकी,ससुराल पक्ष लगातार फोन कर पति को दहेज को लेकर भड़काता था।

बीएमडब्ल्यू देने की हैसियत है, फॉर्च्यूनर भी नहीं दी — पति का ताना

अल्का के मुताबिक, पति बार-बार ताना देते थे तुम्हारे घर वालों में बीएमडब्ल्यू देने की हैसियत हैज फॉर्च्यूनर भी नहीं दी। 26 जनवरी 2025 को पति ने जबरन खाली कागज़ों पर हस्ताक्षर करवाए। बाद में पता चला कि वह तलाक की तैयारी कर चुका था। 4 मार्च 2025: घर से निकाल दिया, पूरा स्त्रीधन रख लिया पीड़िता बताती हैं कि उनके माता-पिता जब जगदलपुर पहुंचे तो ससुराल वालों ने स्पष्ट कहा दहेज नहीं दियाज लड़की को नहीं रखेंगे। इसके बाद सोनेचांदी के जेवर,नकद,घरेलू सामान,पूरा स्त्रीधन,रखकर अल्का को घर से निकाल दिया गया।

मायके लौटने पर भी नहीं मिला न्याय, काउंसलिंग भी विफल

8 अक्टूबर 2025 को अल्का ने महिला थाना में शिकायत दी।

14 अक्टूबर से 11 नवंबर तक चार बार काउंसलिंग हुई, लेकिन ससुराल पक्ष ने समझौता करने से इनकार कर दिया। उल्टा मांबहन की गालियां देकर परिवार को अपमानित किया। पति और ससुराल पक्ष पर गंभीर धाराओं में अपराध पुलिस ने जांच के बाद प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए और निम्न आरोपितों के खिलाफ ख्र दर्ज की पति चित्रांश साहसी,सास शशि साहसी,ससुर ललित साहसी ,फूफा ससुर डेरहाराम ,चाचा ससुर संदीप साहसी पुलिस के अनुसार, अल्का को लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया,चरित्र पर लांछन लगाए गए।

सुव्यवस्थित धान खरीदी से किसान में दिखा उत्साह

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से कृषि क्षेत्र में बढ़ी किसानों की रुचि

मोहला (ज्वाला एक्सप्रेस)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य 3,100 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किए जाने एवं प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी खरीदी व्यवस्था के चलते जिले के किसानों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस नीति का सकारात्मक प्रभाव किसानों की आर्थिक मजबूती के साथ-साथ कृषि क्षेत्र के समग्र विकास पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

विकासखंड मोहला के ग्राम तेलीटोला निवासी किसान अकबर सिंह बंदे ने गोटाटोला धान खरीदी केंद्र में 72 क्विंटल धान विक्रय किया। उन्होंने बताया कि सीएससी चॉइस सेंटर गोटाटोला में टोकन कटवाने से लेकर धान विक्रय तक की पूरी प्रक्रिया सरल और व्यवस्थित रही। वही शासन द्वारा धान का बेहतर समर्थन मूल्य प्राप्त होने से किसानों का खेती में निवेश बढ़ा है। किसान अकबर सिंह बंदे ने खरीदी केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था ने सिर्फ किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है बल्कि कृषि के प्रति किसानों का रुझान भी बढ़ा है।

नवागढ़ में सर्वदलीय मंच का धमाकेदार आगाज़

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में बिते दिनो रविवार को नवागढ़ विधानसभा सामाजिक एकता और क्षेत्रीय जागरूकता की अनोखी मिसाल बना। पहली बार विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने एक मंच पर जुटकर सर्वदलीय मंचनवागढ़ की औपचारिक शुरुआत की।

सबसे प्रभावशाली क्षण रहा— मंच की प्रस्तावना, जिसे विकास धर दीवान ने सहज, साफ-सुथरे और तीखे शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि नवागढ़ का सम्मान किसी दल का नहीं, पूरे क्षेत्र का है। सच और न्याय की लड़ाई सामूहिक होगी। उनके वक्तव्य ने सभा में नई ऊर्जा भर दी।

सुरेन्द्र तिवारी ने मंच का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि नवागढ़ लंबे समय से झूठे प्रचार और सोशल मीडिया आधारित भ्रमजाल से प्रभावित रहा है। यह मंच अब क्षेत्र के लिए सुरक्षा कवच बनेगा, उन्होंने कहा। जावेद खान ने इसे सच की लड़ाई लड़ने वाला मंच बताते हुए स्पष्ट कहा कि अब नवागढ़ को कोई गुमराह नहीं कर सकता।

सभा में हाल ही के सरपंच संघपत्रकार समाज विवाद पर भी खुलकर मंथन हुआ।

272 पूर्व अधिकारियों का खुला पत्रः राहुल गांधी पर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर हमले का गंभीर आरोप

नई दिल्ली। देश के 272 प्रतिष्ठित पूर्व अधिकारियों और नागरिकों ने बुधवार,19 नवंबर 2025 को एक खुला पत्र जारी करके कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस पत्र में कहा गया है कि राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर हमला कर रहे हैं, जबकि उनके दावों को साबित करने वाला कोई ठोस सबूत अब तक सामने नहीं आया है।

इस पत्र पर 16 पूर्व न्यायाधीश, 123 रिटायर्ड नौकरशाह, 14 पूर्व राजदूत और 133 सेवानिवृत्त सैन्य के हस्ताक्षर हैं, जो देश की प्रशासनिक और संवैधानिक मशीनरी के सबसे अनुभवी और सम्मानित लोग माने जाते हैं।पूर्व अधिकारियों ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी बार-बार वोट चोरी, चुनावी हेराफेरी, लोकतंत्र की हत्या जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके जनता के बीच चुनाव आयोग पर अविश्वास फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।उनका कहना है कि हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में मतदाता सूची में बड़े स्तर पर छेड़छाड़ के राहुल गांधी के आरोप पूरी तरह राजनीतिक बयानबाजी हैं और इनमें किसी तरह के तथ्य नहीं दिए गए हैं।

राहुल गांधी ने 'डुप्लीकेट वोटर', फर्जी फोटो', 'मकान नंबर 0 वाले मतदाता' और 'ब्राजील मॉडल' जैसी तकनीकों के इस्तेमाल तक की बात कही थी। लेकिन चुनाव आयोग ने इन सभी आरोपों को 'निराधार और भ्रामक' बताते हुए चुनौती दी थी कि अगर उनके पास एक भी फर्जी या गायब मतदाता का नाम है, तो हलफनामे के साथ पेश करें। अब तक कोई प्रमाण जमा नहीं कराया गया है।मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया, जहां कर्नाटक की कथित मतदाता सूची हेराफेरी पर स्ड जांच की मांग को कोर्ट ने खारिज कर दिया और याचिकाकर्ता को चुनाव आयोग के पास जाने को कहा। यानी न्यायपालिका ने भी इन दावों को ठोस आधार न मिलने पर आगे नहीं बढ़ाया।

हालांकि कुछ स्थानीय स्तर पर मामूली अनियमितताएं मिलती रही हैं और विपक्ष के कुछ नेता राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन बड़े पैमाने की हेराफेरी को किसी स्वतंत्र संस्था, कोर्ट या आधिकारिक जांच ने सही नहीं माना।भाजपा ने इसे विपक्ष की हार का बहाना और चुनावी संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश बताया है।

इस खुले पत्र के जरिए देश के वरिष्ठ पूर्व अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले लोकतंत्र को कमजोर करते हैं और उन्हें रोकना बेहद जरूरी है।

पत्र की खास बातें

पूर्व अधिकारियों ने कहा है कि पहले सेना, फिर न्यायपालिका और संसद को कटघरे में खड़ा किया गया। अब चुनाव आयोग पर हमला किया जा रहा है। यह खतरनाक चलन चुनावी हार छिपाने की कोशिश जैसा है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी और गद्दारी जैसे गंभीर आरोप लगाए और अधिकारियों को धमकाया, लेकिन कोई शिकायत, सबूत या हलफनामा दर्ज नहीं कराया। पूर्व अधिकारियों के अनुसार यह सिर्फ राजनीतिक नाराजगी है।

यह प्रतियोगिता केवल खेल का आयोजन नहीं, बल्कि महिला शक्ति का पर्व,प्रतिभा का उत्सवः किरण रविन्द्र वैष्णव

छुरिया

महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण प्रतिभा की ऊर्जामयी छटा के बीच हाई स्कूल खेल मैदान बालरोगोंदी में आयोजित विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आज अत्यंत भव्य, प्रेरणादायी और उत्साहपूर्ण समापन हुआ।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस ऐतिहासिक क्षण को और भी विशेष बना दिया।

साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा सहकारी समिति गहिराभेडी के अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने की, साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला भाजपा पूर्व महामंत्री रविन्द्र वैष्णव व जनपद पंचायत सदस्य चंन्द्रिका वर्मा व हाईस्कूल बेलरगोंदी के अध्यक्ष कुमार साय साहू भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान मैदान में ऊर्जा, जोश और महिला खिलाड़ियों की अद्भुत खेल प्रतिभा अपने चरम पर दिखाई दी।

एथलेटिक्स (100 मीटर, 400 मीटर दौड़ व तवा फेंक), खो-खो, फुटबॉल, वॉलीबॉल और रस्साकशी जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने जिस जज्बे, फुर्ती और संघर्ष का परिचय दिया, उसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।हर खेल मैदान में केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, साहस, अनुशासन और जीत की अदम्य इच्छाशक्ति देखने को मिली। समापन समारोह में अपने भावनात्मक उद्बोधन में श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि आज हमारे क्षेत्र की बेटियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा और ऊर्जा किसी सीमा की मोहताज नहीं। ये खिलाड़ी केवल खेल नहीं जीत रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा की नई राह बना रही हैं।यह प्रतियोगिता केवल खेल का आयोजन नहीं, बल्कि महिला शक्ति का पर्व,प्रतिभा का उत्सव, और ग्रामीण बेटियों के सपनों की उड़ान बनकर पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार कर गई।

बिहार विधानसभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

प्रहलाद सबनानी

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई।

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यतः राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था। उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मुफ्त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही। हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का 'बचत का बजट' - 'घाटे के बजट' में परिवर्तित हो गया था।

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा एवं राज्य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतः डावांडोल हो गई है एवं राज्य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं राज्य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार राज्य में भी विधान सभा चुनाव के समय श्री नीतीश कुमार की राज्य सरकार ने राज्य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना की घोषणा 29 अगस्त

2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, राज्य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है?

इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाडु में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं।

अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है।

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मुफ़्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है। यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे है।

संपादकीय

इस बार भी नीतीश सरकार

पटना (बिहार) का 'गांधी मैदान' एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। राज्य में भाजपा-एनडीए सरकार ने शपथ ग्रहण की। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 7वीं, 8वीं, 9वीं बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते 19 साल 2 माह से मुख्यमंत्री पद पर हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री पद पर यथावत रखा गया है। कमोबेश यह दलबदल और अनिश्चित राजनीति के दौर का कीर्तिमान है। नई विधानसभा में भाजपा 89 सीटों के साथ जनता दल-यू के 85 विधायकों से आगे है। फिलहाल भाजपा के 14, जद-यू के 8, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के 2 और हम-राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1-1 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। भाजपा के 9 नए चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। कुल 243 विधायकों में से 202 भाजपा-एनडीए के जीते हैं। जिस विपक्ष ने नीतीश कुमार की उम्र और उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भद्दी टिप्पणियां की थीं, उनमें राजद 25 सीट पर ही सिमट चुका है और कथित राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 सीट आई हैं। दरअसल इस बार भाजपा-एनडीए का जनादेश चुनौतीहीन है। नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में देश के प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा, एक दर्जन मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। यह एनडीए का शक्ति-प्रदर्शन भी था और जनादेश की व्यापकता भी थी कि देश के 60 फीसदी से अधिक इलाके पर भाजपा-एनडीए का शासन है। अब भाजपा के विधायकों की कुल संख्या 1654 और एनडीए के विधायकों का आंकड़ा 2300 से अधिक है। जश्न, उल्लास और उत्साह वाकई चरम पर था। बेशक यह भाजपा-एनडीए की लोकतांत्रिक स्वीकार्यता भी है। बहरहाल नीतीश सरकार के बनते ही बिहार में चुनाव का दौर सम्पन्न हो गया, लेकिन सरकार के सामने वायदों की चुनौतियां असंख्य हैं। जिम्मेदारियां हिमालय-सी हैं। बिहार सरकार को यथाशीघ्र 28, 000 करोड़ रुपए की दरकार है, ताकि वायदों को निभाने की शुरूआत की जा सके। 'जनसुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर, बेशक, चुनाव हार गए, हिस्से में 'बड़ा शून्य' आया, लेकिन उनके आरोप बेहद अहम हैं कि भाजपा-एनडीए ने 29, 000 करोड़ रुपए महिलाओं में बांटे और इस तरह उनके वोट खरीदे गए। इस बार बिहार में 71.78 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए और पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 4 लाख से अधिक वोट डाले। यही भाजपा-एनडीए जनादेश की बुनियाद साबित हुई। प्रशांत का आरोप यह भी है कि नीतीश कुमार ने 40, 000 करोड़ रुपए के वायदे भी किए हैं। उनमें महिलाओं को 2-2 लाख रुपए मुहैया कराने का भी वायदा है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैशिक अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा-भारतीय रुपये-को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक वातावरण, डॉलर-निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैशिक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरूआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है।

रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है, क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैशिक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूसझयूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर-केंद्रित व्यवस्था धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है।

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये-आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारतझरूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा-आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतारझचढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है।

हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदानझप्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं।

इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता-ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

नाकाम करना होगा आतंक का खतरनाक षडयंत्र

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में दहशतगर्द लगातार पंख फैलाने की फिराक में है। दिल्ली का कार ब्लास्ट आतंकी हमला घोषित हो चुका है। इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकी संगठन की संलिप्तता भी उजागर हो गई है। ऐसे में केंद्र सरकार के उस बयान की खूब चर्चा हो रही, जिसमें कहा गया था कि भारत के खिलाफ कोई भी आतंकी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा। भारत फिर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा। लोगों में यह भी चर्चा है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू करेगा तो पाकिस्तान के साथ कौन देश खड़े होंगे।

आपको पता रहे मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ चीन और तुर्की ने दिया था। चीन लंबे समय से भारत विरोधी हरकते कर रहा। वहीं, भारत द्वारा हमेशा मदद किए जाने के बावजूद तुर्की विरोध में खड़ा हो रहा।करीब दो साल से लगातार अलग-अलग तरह के धमकी भरे हजार से अधिक ईमेल मिल चुके हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां हर बार तकनीकी जांच के बाद फर्जी घोषित कर देती हैं। स्कूल, कॉलेज, सचिवालय, अदालत ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जिसे बम से उड़ाने की धमकी न मिली हो। अधिकांश मामलों में ये ईमेल वीपीएन व डार्क वेब के जरिए भेजे जाते हैं, जिससे लोकेशन विदेश की दिखती है, लेकिन वास्तविक स्रोत तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है।

आतंकी संगठनों की हरकतें बता रहीं हैं कि दिल्ली धमाका तो सिर्फ ट्रेलर था। पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भारत के खिलाफ फिदायीन अटैक को लेकर ब्लू प्रिंट कर चुका है।

हर बार जांच में कुछ ठोस नहीं मिल पाता, लेकिन अब जब देशभर में आतंकी नेटवर्क की गतिविधियां सामने आ रही हैं और कई हमलों की साजिशें उजागर हुई हैं, तो इन पुराने मामलों का संदर्भ बेहद अहम हो गया है। जिस तरह बार-बार ये धमकी ईमेल अलग-अलग स्थानों को टारगेट करते हुए भेजे जा रहे थे, यह संभव है कि वे सिर्फ फर्जी नहीं थे, बल्कि किसी बड़ी आतंकी साजिश का संकेत दे रहे थे।

आतंकी हमले के बाद अब मंगलवार सुबह चार प्रमुख जिला अदालतों साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी कोर्ट के साथ-साथ दो सीआरपीएफ स्कूलों को जैश-ए-मोहम्मद के नाम से बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। आनन-फानन में इमारतें खाली कराई गईं और सूचना पर पहुंचा बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), स्निफर डॉग और फारेंसिक टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया।

काफी तलाश के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो इसे हक्स मेल करार दिया गया। वहीं पटियाला हाउस कोर्ट में धमकी भरा मेल ऐसे वक्त आया, जब थोड़ी देर बाद बम धमाके के आरोपित व साजिशकर्ता जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश की पेशी होने वाली थी। एनआइए की टीम आरोपित को पेश करने जा रही थी, उससे पहले कोर्ट के बाहर आरएएफ तैनात कर दी गई थी।

लाल किला ब्लास्ट की जांच में एजेंसियों को पता चला है कि फिदायीन तयअटैक का ब्लू प्रिंट पाकिस्तान में इसी साल तैयार हुआ था। जैश की मंशा है कि बेशक यह पहला सुसाइड बॉम्बर है, लेकिन आखिरी नहीं। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों की मानें तो जैश ए मोहम्मद ने टेरर फंडिंग और जिहाद के लिए डिजिटल कोर्स लॉन्च किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत के खिलाफ फिदायीन दस्ता तैयार करने को जैश-ए-मोहम्मद बड़े पैमाने पर हवाला के जरिए फंड जुटा रहा है।

एजेंसियों को इस संबंध में बेहद चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी है। लाल किला ब्लास्ट से 15 दिन पहले अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने तुहफत उल मोमिनात नाम से एक ऑनलाइन कोर्स शुरू किया था। यह कोर्स खास तौर से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस ऑनलाइन कोर्स का मकसद मजहबी और जिहादी ट्रेनिंग देने के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों के लिए पैसे जुटाना है।

जैश ए मोहम्मद के टॉप कमांडरों की महिला रिश्तेदारों पर इस ऑनलाइन कोर्स का जिम्मा है। जिनमें मसूद अजहर की बहनें सादिया अजहर, समीरा अजहर और शिया अजहर है। इस कोर्स का प्रचार पहले से ही जैश के इंटरनल टेलीग्राम और वाट्सऐप ग्रुप के साथ-साथ दूसरे कट्टरपंथी प्लेटफॉर्म पर गुपचुप किया जा चुका है। सूत्रों का कहना है कि इस कोर्स में एडमिशन के लिए महिलाओं से 700 पाकिस्तानी करेंसी ली जा रही है। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि तुहफत-उल-मोमिन वाट्सऐप, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मदरसों के रूप में काम कर रहे हैं।लाल किला के पास हुए फिदायीन हमले की जांच में एजेंसियों ने मंगलवार को एक संदिग्ध बांग्लादेशी एबीटी सदस्य इख्तियार को पकड़ा है। सूत्रों ने बताया कि जांच का फोकस भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों मालदा, मुर्शिदाबाद पर है। जिसके बारे में इनपुट मिला था कि लश्कर ए तैयबा के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कुछ कट्टरपंथी ग्रुप संपर्क में हैं। पकड़े गए कथित बांग्लादेशी एबीटी मेंबर से पूछताछ चल रही है। जांच ऐजेंसी लाल किले के पास हुए आतंकी हमले में बांग्लादेश कनेक्शन की पुष्टि करने में जुटी हैं।पकड़े गए संदिग्ध का प्रतिबंधित संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े होने का शक है। जांच ऐजेंसी से जुड़े सूत्र का कहना है कि संदिग्ध इख्तियार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जिसने विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की है। एजेंसियों का मानना है कि इस संदिग्ध का साजिश में बॉर्डर पार से लिंक है। पांच दिन पहले जांच एजेंसियों को पता चला था कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों और लश्कर ए तैयबा के बीच ऑनलाइन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग हुई थी। इसमें एलईटी का टॉप कमांडर सैफुल्लाह सैफ और बांग्लादेशी सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

आपको बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुर्की ने किस तरह से भारत से दुश्मनी निभाई, यह दुनिया देख चुकी है। अब दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाकों का भी कनेक्शन भारत के लिए दूसरे पाकिस्तान के तौर पर उभरते इसी मुल्क से जुड़ रहा है। दरअसल, इस वारदात के मुख्य संदिग्ध डॉ मोहम्मद उमर उर्फ उमर उन नबी और फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़े एक और संदिग्ध डॉ मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट से उनके तुर्की की यात्रा का संकेत मिल रहे हैं और यह भी पता चल रहा है कि उन्हें वहीं से भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने का फरमान मिल रहा था।जाहिर है भारत को मजहब के आधार पर मिल रही विदेशी साजिश को भी नेस्तनाबूद करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

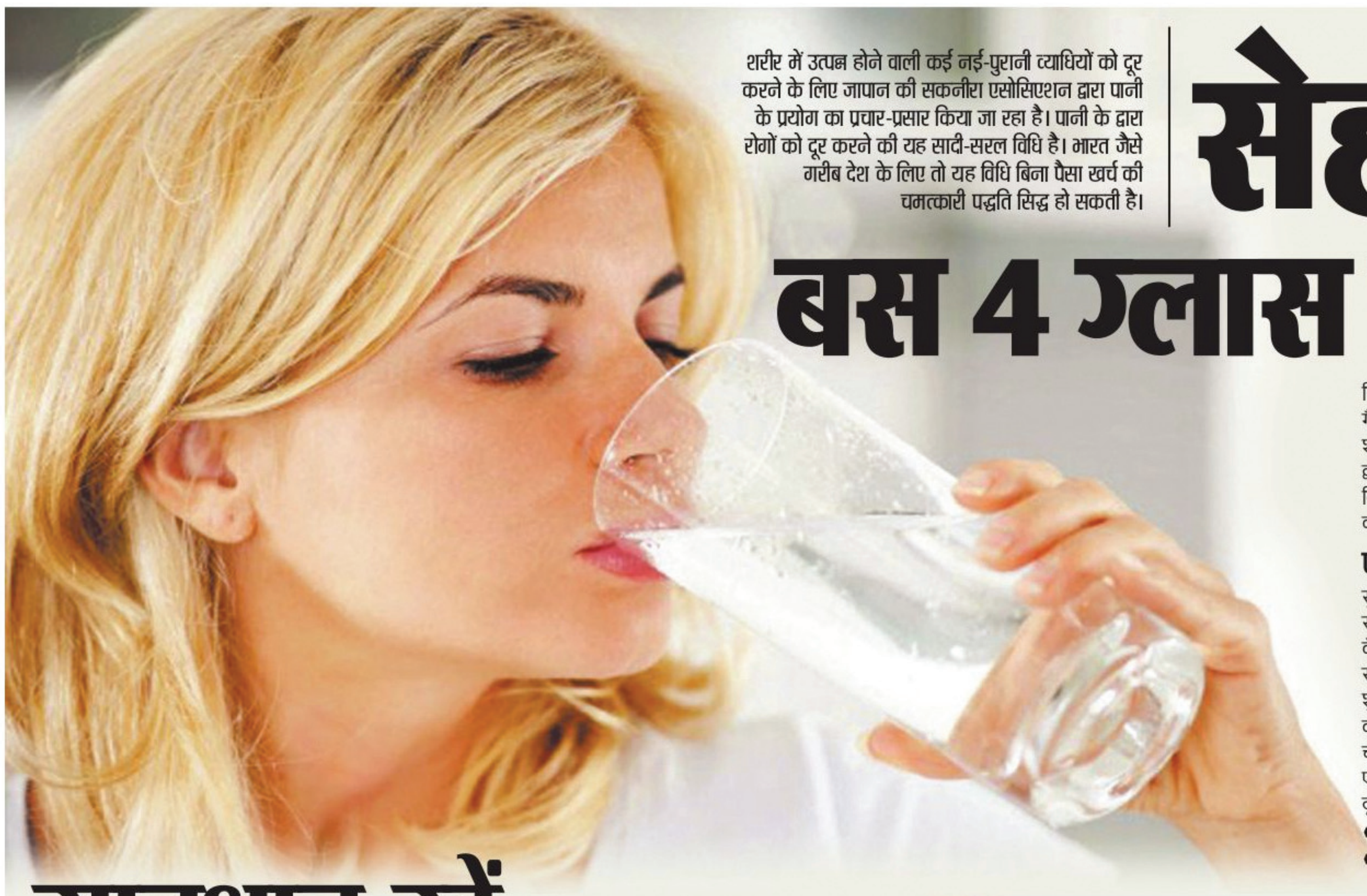

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज
बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें
ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स` उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भ ी त र इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार
ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है
विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

सुरभि चंदना ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तकज्मुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना?

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। आईएएनएस से बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है। हुमा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय महारानी की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है। हुमा ने कहा, खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। महारानी और दिल्ली क्राइम जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली क्राइम सीजन 3 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी अपेक्षा पोरवाल अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

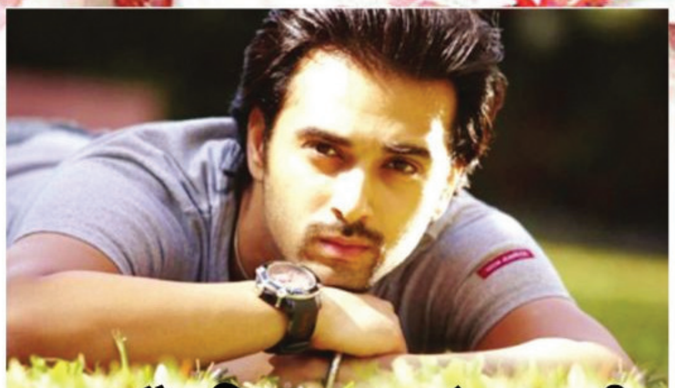

दशा और दिशा बदलने आ रही है पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जानिए आप सिनेमाघरों में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म कब देख सकेंगे।

कब रिलीज हो रही है फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए साल में, दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म राहु-केतु के बारे में

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक कॉमेडी और फैंटेसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग मुंबई और मनाली में हुई है।

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

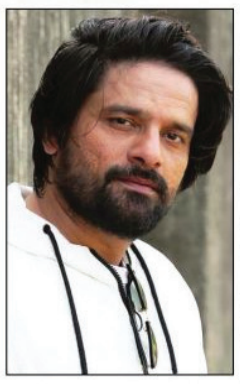

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है।

अभिनेत्री ने बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म थ्री ऑफ अस साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

अब तक की सबसे महंगी फिल्म हो सकती है वाराणसी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसके बजट से लेकर स्टार्स की फीस तक के बारे में जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। इस बीच, प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की सैलरी को लेकर खुलासा हो गया है।

प्रियंका ने फिल्म के लिए मांगी 30 करोड़ रुपये की फीस

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी अगली मेगास्टार फिल्म वाराणसी के लिए पहली बार महेश बाबू के साथ हाथ मिलाया है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में भव्य टाइटल लॉन्च इवेंट हुआ, जहां फिल्म के नाम की घोषणा की गई। महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल्स में हैं। प्रियंका वाराणसी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और फैंस अब कलाकारों को दी गई फीस जानने के लिए एक्साइटेड हैं। प्रियंका चोपड़ा पहली बार फिल्ममेकर एसएस राजामौली के साथ वाराणसी में काम करेंगी। पहले इसका नाम SSMB29 रखा गया था। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका ने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये की फीस मांगी है। इस तरह वह किसी भी निर्देशक के साथ काम करने वाली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बन गई हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रियंका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। एसएस राजामौली की आरआरआर में आलिया भट्ट ने 9 करोड़ रुपये लिए थे, जबकि बाहुबली में अनुष्का शेट्टी ने 5 करोड़ रुपये लिए थे। प्रियंका कथित तौर पर दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ देंगी, जो अब तक सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस रही हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस

साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं आई है। हालांकि प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल आइकन हैं और उनकी स्टार पावर दुनिया भर में है, लेकिन उनकी ऊंची फीस उनके फैंस के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि न तो मेकर्स और न ही फिल्म के स्टार्स ने अभी तक उन्हें मिलने वाली फीस की पुष्टि की है।

महेश बाबू लेंगे 40 परसेंट प्रॉफिट

रिपोर्ट और कोईमोई के एक करीबी सूत्र के अनुसार, महेश बाबू और फिल्ममेकर एसएस राजामौली नॉर्मल सैलरी नहीं लेंगे। राजामौली को महेश बाबू के काम पर बहुत भरोसा है जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इसी वजह से दोनों ने ज़्यादा फीस न लेने का फैसला किया है। उनका मकसद वाराणसी के साथ एक विरासत बनाना है। इसलिए, महेश बाबू और एसएस राजामौली कथित तौर पर मेकर्स के साथ 40% प्रॉफिट समझौता करेंगे। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि महेश बाबू कोई वेतन नहीं लेंगे और उन्होंने एसएस राजामौली के साथ एक शेयर प्रॉफिट समझौते पर बातचीत की है। इसका साफ मतलब है कि वाराणसी के लिए महेश बाबू की सैलरी पूरी तरह से फिल्म के मुनाफे पर निर्भर करेगी।

खास खबर...

बजरंग चौक सेलूद में चलता था, सट्टा कारोबार, उतई पुलिस ने की छापेमारी

पाटन

दुर्ग पुलिस द्वारा ऑपरेशन विश्वास के तहत अवैध सट्टा गतिविधियों पर बड़ी कार्यवाही की गई है। थाना उतई पुलिस एवं एसीसीयू टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन सटोरियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सेलूद बजरंग चौक स्थित किरण टेलर दुकान में संचालक धन सिंह देवांगन अवैध रूप से अंकों के आधार पर सट्टा पट्टी लिख रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। तलाशी में सट्टा पट्टी, नगद 20050, मोबाइल व डॉट पेन बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मोबाइल व्हाट्सएप के माध्यम से सट्टा संबंधी जानकारी व रकम धर्मेंद्र ठाकुर (सिरसाकला, पुरानी भिलाई) को भेजता था। टीम ने धर्मेंद्र ठाकुर को भी हिरासत में लिया, जिससे पूछताछ के बाद एक अन्य आरोपी शत्रुहन साहू को भी पकड़ा गया। दोनों के कब्जे से 03 मोबाइल, रजिस्टर, सट्टा पट्टी और ?16750 नगद जब्त किए गए। आरोपियों ने बताया कि वे सट्टा खाईवाल संजय यादव के लिए काम करते हैं, जो उन्हें प्रतिदिन ?500 मजदूरी देता था। संजय यादव फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

एसपी ऑफिस में केक काटकर मनाया गया टीआई टामेश चौहान का जन्मदिन

कोंडागांव

जिले के नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने पुलिस परिवार में आपसी सामंजस्य और उत्साह का माहौल बनाए रखने हेतु एक और नई पहल की है। जिसमें कोंडागांव जिले के सभी थानों कार्यालयों एवं पुलिस लाइन में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों के जन्मदिन के अवसर पर एसपी ऑफिस में केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया जा रहा है। इसके साथ ही उक्त अधिकारी कर्मचारी को जन्मदिन के मौके पर एक दिन की छुट्टी भी दी जा रही है। इसी क्रम में आज कोंडागांव कोतवाली प्रभारी टामेश्वर चौहान के जन्मदिन के मौके पर एसपी पंकज चंद्र, एडिशनल एसपी कौशलेंद्र देव पटेल समेत विभागीय अधिकारी कर्मचारियों ने एसपी ऑफिस में केक काटकर टीआई टामेश चौहान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस संबंध में कोंडागांव एसपी पंकज चंद्रा ने बताया कि प्रत्येक इंसान की जीवन में साल में एक बार जन्मदिन के रूप में एक ऐसा दिन होता है जो वह अपने घर जाकर अपने परिवार के साथ बिताते हुए खुशियां साझा करना चाहता है। जिसे ध्यान में रखते हुए हमने कोंडागांव पुलिस विभाग में इसने ही परंपरा की शुरुआत की है, जहां अधिकारी कर्मचारियों का जन्मदिन पहले पुलिस परिवार के साथ मनाया जाता है। इसके पश्चात उन्हें एक दिवस की छुट्टी देकर अपने घर परिवार के साथ अपना समय बिताने का मौका दिया जा रहा है।

अनावेदक ने मचाया उत्पायत , भेजा गया अनावेदक को जेल

राजनांदगांव

विवरण- दिनांक 20.11.2025 को पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , श्री राहुल देव शर्मा , पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोगरगांव , श्री दिलीप सिंह सिसोदिया के मार्ग दर्शन में , थाना प्रभारी निरीक्षक श्री कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में थाना गैंदाटोला में क्षेत्रार्गत शराब , जुआ व अन्यौ असंवैधानिक गतिविधियों पर पैनी नजरी रखी जा रही हैं , एवं सुचना पाकर तत्त काल कार्यवाही कर निराकरण किया जा रहा हैं । इसी दौरान ग्राम धरमुटोला के एक शिकायत पर संज्ञान लिया गया ,पुछताछ के दौरान अनावेदक के द्वारा वाद विवाद कर गाली गलौच करने से व संज्ञेय अपराध की आशंका व कुछ अप्रिय घटना को रोकने हेतु पेश अनावेदक की गिर0 की कोई विकल्प) नही होने से अनावेदक जयकुमार कंवर पिता देवादास कंवर , उम्र-40 साल, पता- ग्राम धरमुटोला , थाना गैंदाटोला , जिला राजनांदगांव छ0ग0 को धारा- 170 बीएनएसएस के तहत गिर0 कर धारा- 126 , 135(3) बीएनएसएस के तहत ईशतछगासा तैयार माननीय न्या0यालय में भारी से भारी राशि से दण्डित करने हेतु पेश किया हैं।

वार्ड नं. 20 पेण्ड्री में 50 लाख से अधिक के विकास कार्य के लिए हुआ भूमिपूजन

राजनांदगांव

शासन द्वारा स्वीकृत राशि से वार्डो में विकास कार्य कराए जा रहे है, इसी कडी में वार्ड नं. 20 पेण्ड्री में अधोसंरचना एवं अधोसंरचना उपकर निधि मद अंतर्गत 20.11 लाख रूपये की लागत से पीटीएस में सीमेंट कांक्रिटींग रोड, 10 लाख रूपये की लागत से कवर पारा में सामुदायिक भवन निर्माण, 3-3 लाख रूपये की लागत से गौठान के पास व चंद्रा कालोनी सामुदायिक भवन के पास शेड निर्माण, 7.80 लाख रूपये की लागत से शीतला मंदिर तालाब रोड में सीमेंटीकरण, 5 लाख रूपये की लागत से सोमनाथ साहू के घर से बड़ा नाला तक रोड एवं नाली निर्माण, 5 लाख रूपये की लागत से चंद्रा कालोनी राजपूत पारा में सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण एवं 10 लाख रूपये की लागत से पेण्ड्री जैत खम्भ के पास सामुदायिक भवन निर्माण किया जाना है।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने ली अधिकारियों की बैठक

राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में पीडीएस, मध्यान्ह भोजन योजना, पोषण आहार योजना एवं आश्रम-छात्रावासों हेतु खाद्यान्न पर आधारित योजनाओं की समीक्षा की। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने जिले में संचालित सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों में प्रत्येक माह निर्धारित समय पर राशन के भंडारण एवं वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने सही मात्रा में गोदाम से उचित मूल्य दुकानों तक राशन के भंडारण के लिए दुकान संचालक को रैंडम बोरा तौल करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इस बात पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी भी तरह की लापरवाही होने पर दोषियों विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय उचित मूल्य दुकानों में एपीएल एवं बीपीएल के चावल रखने के लिए अलग-अलग स्थान सुरक्षित रखने कहा। सभी दुकानों में विभागीय कॉल सेंटर नंबर एवं खाद्यान्न के सैंपल प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में निर्धारित पात्रता अनुसार मध्यान्ह भोजन प्रदान करने एवं उसकी मात्रा का सही मूल्यांकन हेतु नाप के लिए उपकरण रखने हेतु निर्देशित किया। विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन बनाने के लिए स्वसहायता समूहों से प्राप्त खाद्य सामग्री का सतत मूल्यांकन एवं सही मात्रा में भोजन बने यह सुनिश्चित करने के लिए निगरानी समिति और विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग में पोषण ट्रैकर से काउंट को सही तरीके से उपयोग करने एवं उससे सही जानकारी का भौतिक सत्यापन के निर्देश दिए। दर्ज संख्या, उपस्थिति, डाटा एण्ट्री के मिलान पर ध्यान देने के लिए कहा। सभी सुपरवाइजर को अपने क्षेत्र के आंगबाड़ी केन्द्र में निरीक्षण करते हुए प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र को निरीक्षण पंजी संधारित करने एवं प्रत्येक बच्चे पोषित हो इस बात पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आदिम जाति कल्याण विभाग में प्रत्येक बच्चे को प्राप्त राशि का उपयोग भोजन व्यवस्था एवं बच्चों की आवशकता अनुरूप पूरा होना चाहिए। साथ ही अतिरिक्त अधीक्षक हॉस्टल में ही अपना निवास सुनिश्चित करें। बैठक में खाद्य आयोग के सदस्य सचिव श्री राजेंद्र महिलांग, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी सदस्य सचिव श्री राजीव जायसवाल, खाद्य अधिकारी श्री रविन्द्र सोनी,अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री देवेन्द्र कौशिक, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री दीक्षा गुप्ता, खाद्य विभाग से श्री सूरज दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

धान खरीदी केंद्रों में भारी अव्यवस्था का आलाम

पखांजूर

परलकोट क्षेत्र के अन्नदाता के लिए धान उपार्जन केंद्र में अभी तक कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है । जहाँ धान खरीदी की निर्धारित तिथि समाप्त हो जाने के बावजूद भी अधिकांश खरीदी केंद्रों में धान खरीदी का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। इधर कांकेर कलेक्टर द्वारा वीडियो जारी कर धान खरीदी की जानकारी प्रेषित कर रहे है लेकिन परलकोट के केंद्रों की वर्तमान स्थिति में धान खरीदी अभी तक शुरू नहीं हो पाई जो अत्यंत निराशाजनक है। कई केंद्र पूर्णतः सुनसान और वीरान पड़े हुए हैं। अधूरी व्यवस्थाओं ने किसानों की मुश्किल बढ़ा दिया है। जानकारी के अनुसार खरीदी केंद्रों में केवल नाममात्र की साफ-सफाई की गई है जबकि खरीदी प्रक्रिया संचालित करने हेतु आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएँ अधिकारी वर्ग बना रहे है लेकिन व्यवस्था अब भी अधूरी पड़ी हुई हैं। बारदाना उपार्जन केंद्र में डाला तो गया है लेकिन हमाल की उपलब्धता नजर नहीं आ रहा।कर्मचारियों की गैरमौजूदगी और ऑनलाइन पंजीकरण जैसी आवश्यक बुनियादी आवश्यकताएँ सही ढंग से सुनिश्चित नहीं की गई हैं।

इन गंभीर कमियों के कारण क्षेत्र के किसानों में भारी असंतोष और चिंता व्याप्त है। किसान प्रतिदिन केंद्रों तक पहुँच रहे हैं अपनी उपज बेचने की उम्मीद में टोकन लेने के लिए पर्ची लिखवा रहे है किंतु उन्हें हर दिन केवल इंतजार और अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

खरीदी की तिथि बीत जाने के उपरांत भी खरीदी का प्रारंभ न होना संबंधित विभागों की घोर लापरवाही और उदासीनता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। किसानों ने आग्रह किया है कि जल्द से जल्द सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने और धान खरीदी की प्रक्रिया को सुचारू रूप से प्रारंभ करने की मांग की है।

मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर किया जा रहा गणना पत्रक का वितरण

राजनांदगांव

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 का कार्य किया जा रहा है। राजनांदगांव जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण वर्ष 2025 की मतदाता सूची के आधार पर सभी मतदाताओं को गणना पत्रक का वितरण बीएलओ के माध्यम से घर-घर जाकर किया जा रहा है। यह गणना पत्रक सभी मतदाताओं को भरना अनिवार्य है। जिला निर्वाचन कार्यालय राजनांदगांव में मतदाता हेल्पलाइन 1950 एवं हेल्पडेस्क की सहायता से मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची में नाम खोजने की सुविधा दी जा रही है। नगरीय क्षेत्र में शिविर का आयोजन कर मतदाताओं से गणना फॉर्म भरवाया जा रहा है। जिले में लगभग 8 लाख 35 हजार मतदाता है। अब तक जिले में लगभग 1 लाख 75 हजार मतदाताओं का फॅार्म प्राप्त कर डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। मतदाता गणना पत्रक को पूर्ण रूप से भरकर 4 दिसम्बर 2025 के पूर्व बीएलओ के पास जमा करना होगा। बीएलओ द्वारा गणना पत्रक भरने में मतदाताओं की सहायता की जा रही है। बीएलओ 4 नवम्बर से 4 दिसंबर 2025 के बीच प्रत्येक मतदाता के पास अधिकतम तीन बार मतदाता द्वारा भरे गणना पत्रक प्राप्त करने के लिए जाएगे। गणना पत्रक ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से भी भरा जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान वर्ष 2025 में दर्ज मतदाताओं की जानकारी वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान किया जायेगा। इस दौरान मतदाता के स्वयं तथा उनके माता, पिता, दादा व दादी के नाम का मिलान 2003 की मतदाता सूची से हो जाता है, तो ऐसे मतदाताओं को किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

पोषण पुर्नवास केन्द्र में किए जा रहे कार्यो के मिल रहे कारगर परिणाम

राजनांदगांव

जिले के पोषण पुनर्वास केन्द्रों में गंभीर कुपोषण से ग्रस्त बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है। पोषण पुर्नवास केन्द्र में किए जा रहे कार्यों के कारगर परिणाम प्राप्त हो रहे है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने जिले में संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र के संबंध में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि पोषण पुनर्वास केन्द्र कार्यक्रम शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। कार्यक्रम का उद्देश्य कुपोषण मुक्त समाज का निर्माण करना तथा जिले में कुपोषण की दर को कम करना है। जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को विभिन्न स्तरों पर समन्वित तरीके से कार्य करने के लिए कहा। जिला अस्पताल राजनांदगांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र में कुपोषित बच्चों को भर्ती कर निःशुल्क उपचार, प्रोटीन-विटामिन-समृद्ध आहार और आवश्यक दवाएं प्रदान की जा रही है, ताकि कुपोषित बच्चे सुपोषण की श्रेणी में आ सके। प्रक्रिया में नोडल अधिकारी द्वारा रेफर किए गये गंभीर कुपोषित बच्चों के परामर्श और भर्ती में फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर द्वारा सहायता प्रदान करने हेतु निर्देश दिए गए है।

गौरतलब है कि एनआरसी में कार्यरत स्टॉफ नर्स और फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर नियमित रूप से ओपीडी, आईपीडी और इन्फैंट एण्ड यंग चाइल्ड फीडिंग कांउसलिंग सेंटर पर आने वाले कुपोषित बच्चों को प्रोटोकॉल के अनुसार एनआरसी में भर्ती कराने की प्रक्रिया सुनिश्चित कर रहे हैं। पोषण पुर्नवास केन्द्र में बच्चों के खेल-कूद हेतु व्यवस्था कर बच्चों को स्वस्थ माहौल प्रदान कराया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन से समन्वय स्थापित कर गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर इलाज हेतु पोषण पुनर्वास केन्द्र जिला चिकित्सालय राजनांदगांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में भर्ती कराया जा रहा है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा एनआरएलएम के सहयोग से जिले में पोट्ठ लईका कार्यक्रम का संचालन भी किया जा रहा है। पोषण पुर्नवास केन्द्र के ओपीडी में स्क्रिनिंग से आने वाले बच्चों का डेटा संधारित किया जाएगा और इसकी नियमित समीक्षा की जायेगी। जिला अस्पताल राजनांदगांव एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में एनआरसी, कुपोषित बच्चों के लिए 10-बेड वाला विशेष वार्ड है। यहां गंभीर कुपोषित बच्चों को 15 दिन तक निःशुल्क उपचार, प्रोटीन-विटामिन-समृद्ध आहार और आवश्यक दवाएं दी जाती हैं।

जिले के 301 बिहान समूहों को 11 करोड़ से अधिक का बैंक लिंकेज

कोण्डागांव

मुख्यालय के विकास नगर स्टेडियम ग्राउंड में 17 नवम्बर 2025 को बूढ़ादेव महोत्सव, लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित रहे। साथ ही वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, बस्तर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष एवं विधायक कोण्डागांव सुश्री लता उसेण्डी, विधायक केशकाल नीलकण्ठ टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता सोरी, तथा नगर पालिका परिषद कोण्डागांव अध्यक्ष नरपत्ति पटेल एवं उपाध्यक्ष भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अविनाश भोई के मार्गदर्शन में बिहान से जुड़े 301 महिला स्व-सहायता समूह सदस्यों को कुल 11 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपये का बैंक लिंकेज चेक के माध्यम से वितरण किया गया।

इसके साथ ही बिहान समूहों की आजीविका आधारित सफलता यात्राओं पर तैयार की गई पुस्तक जर्नी ऑफ डिग्निटी ङ्क स्टोरी ऑफ बुक का विमोचन मुख्य औतिथियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर जिला मिशन प्रबंधक विनय सिंह, विकासखण्ड स्तर की बिहान टीम, लखपति दीदी एवं बड़ी संख्या में समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

समर्थन मूल्य पर सुचारू धान खरीदी से खुशहाल हुए किसान भगवान दीनः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बताया किसानों का संरक्षक

एमसीबी। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के केल्हारी धान उपार्जन केंद्र में इस वर्ष खरीफ विपणन सीजन बेहद उत्साहपूर्ण नजर आ रहा है। किसानों के चेहरों पर भरोसा और संतोष की चमक दिखाई दे रही है। इसी बीच केल्हारी निवासी किसान भगवान दीन अपनी खुशहाली की कहानी साझा करते हुए बताते हैं कि वे इस वर्ष 100 क्विंटल धान बेचने मंडी पहुंचे हैं। पिछले वर्ष भी उन्होंने लगभग इतनी ही मात्रा में धान विक्रय किया था और उस राशि से अपने घर-परिवार की जरूरतें पूरी की थीं। भगवान दीन बताते हैं कि इस बार की धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए अत्यंत सुविधाजनक और पारदर्शी है। उपार्जन केंद्र पर बारदाना की उपलब्धता से लेकर तौल-कांटा तक की सभी प्रक्रियाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं। मंडी में पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था और किसानों को सहयोग देने के लिए कर्मचारी लगातार सक्रिय हैं, जिससे किसानों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। भगवान दीन ने समर्थन मूल्य का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही धान खरीदी ने उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है।

इस दर ने खेती-किसानी में नई ऊर्जा और प्रोत्साहन प्रदान किया है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि इस समर्थन मूल्य से उन्हें न केवल राहत मिली है बल्कि भविष्य के लिए एक स्थिर आधार भी मिला है।किसान भगवान दीन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री लगातार

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ द्वारा उपहार योजना में विजेताओं का सम्मान

स्थानीय खरीदारी को बढ़ावा देने वोकल फ़ॉर लोकल अभियान को मिली बड़ी सफलता

रायपुर

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ द्वारा स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन देने एवं ऑनलाइन खरीदारी को रोकने के उद्देश्य से संचालित वोकल फ़ॅार लोकल उपहार योजना का ड्रा 5 नवंबर को बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं व्यापारी कल्याण बोर्ड, भारत सरकार के सदस्य श्री अमर परवानी थे।

ड्रा कार्यक्रम में कैट के अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, शंकर बजाज, कैलाश खेमानी, सुरेन्द्र सिंह, कांति पटेल, हिमांशु वर्मा तथा वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुलभ चंद्राकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने मिलकर उपहार योजना के अंतर्गत प्राप्त कूपनों का ड्रा निकालकर विजेताओं के नाम घोषित किए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया।

सम्मानित हस्तियाँ— स्वास्थ्य सेवाः डॉ. सुलभ चंद्राकर

पत्रकारिता क्षेत्रः वरिष्ठ पत्रकार शिव श्रीवास्तव

व्यापार जगतः वरिष्ठ व्यापारी श्रीमती नरवदी बाई, सत्यनारायण गर्ग, प्रकाश चंद सुराणा

इन सभी को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य उपहार विजेता

उपहार योजना में प्रत्येक ?500 की खरीद पर कूपन दिया गया था, जिनके ड्रा में यह प्रमुख पुरस्कार घोषित किए गए— प्रथम पुरस्कार एक्टिवाः हरीश ठारवानी

फ्रिजः डॉली ठाकुर

वाशिंग मशीनः डॉ. श्वेता तिवारी एलईडी टीवीः अनीता मिश्रा

इसके अलावा कुल 74 उपहार—मिक्सर ग्राइंडर, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग, दीवार घड़ी, ब्लूटूथ स्पीकर आदि—ग्राहकों को वितरित किए गए। व्यापार में बढ़त और जागरूकता दोनों सफल

व्यापारियों ने बताया कि इस स्कीम से न केवल स्थानीय दुकानों की बिक्री बढ़ी, बल्कि ग्राहकों को ऑनलाइन खरीदारी से दूरी बनाए रखने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए भी जागरूक किया गया।

खास खबर

सरपंच युगल किशोर के जन्मदिवस पर मुक्तिधाम में वृक्षारोपण एवं श्रमदान

उतई

सरपंच संघ अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान युगल किशोर साहू ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीण जनों द्वारा श्रमदान कर मुक्तिधाम तालाब में वृक्षारोपण किया। इस दौरान बादाम,नीम,कदम,करण, गुलमोहर,आम, मोरसिरी, कचनार के 75 छायादार पौधे रोपित किये गए ।जन्मदिन के अवसर पर मुक्तिधाम जैसे जगह का चयन करने को लेकर सरपंच ने कहा कि हम सबको अपने -अपने जीवन की विभिन्न यात्रओं के पश्चात इसी मुक्तिधाम में अंतिम यात्रा पर आना है और हमारे इस गांव के मिट्टी में समाना है इस जगह के वातावरण शुद्ध,शांतिमय, सौन्दर्यकृत और सुकून देने वाला बनाना हमारा नैतिक दायित्व है ।इस अवसर पर सचिव धारेन कुमार देवांगन, उपसरपंच दुष्यंत कुमार साहू,पंचगण गणपत साहू,मंशाराम साहू,असलम खान,महमूद खान, लोकेश साहू,भारती यादव,आशा पटेल,कौशिल्या साहू,कलिंदरी देवांगन,शैल देवांगन, उत्तरा गोस्वामी, दुर्पत निषाद,चितेश्वरी साहू,गायत्री साहू,सीता निषाद,चन्द्रिका देवांगन, नरेश यदु,ग्रामीण उपाध्यक्ष बलराम निर्मलकर, ग्रामीण कोषाध्यक्ष मंतराम यादव,शिक्षक अनिल कुमार साहू, वरिष्ठ नोहर सिंह साहू, रणमत साहू, रिखी पटेल आदि ग्रामीणों ने बधाई व श्रमदान में सहयोगिता प्रदान किये।

रुखमणी विवाह की कथा में श्रोता भाव विभोर होकर झुमे

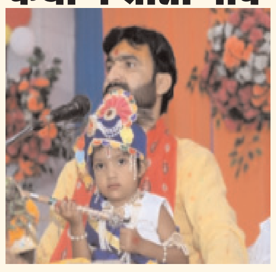

उतई

अहगन के पवित्र माह में पिन्टु वर्मा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के छठवे दिन गुंडरदेही के कथावाचक पंडित भुपेन्द्र पांडे जी महराज ने रुक्खमणी विवाह की कथा कहते हुए कहा कि विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी ने मन ही मन श्रीकृष्ण को अपना पति मान लिया था, लेकिन उनके भाई रुक्खमी ने शिशुपाल से उनका विवाह तय कर दिया। रुक्मिणी ने एक सखी के माध्यम से श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर अपना हरण करने का आग्रह किया। श्रीकृष्ण संदेश मिलते ही विदर्भ पहुंचे, शिशुपाल के विवाह करने के लिए द्वार पर आने से पहले उन्होंने रुक्मिणी का हरण कर लिया। रुक्मिणी के भाई रुक्मी ने उनका पीछा किया, लेकिन श्रीकृष्ण ने युद्ध में रुक्मी को हराकर रुक्मिणी को द्वारका ले जाकर उनसे विधिपूर्वक विवाह कर लिया।

रुक्मिणी, राजा भीष्मक की पुत्री, श्रीकृष्ण को मन ही मन अपना पति मान चुकी थीं। उनके भाई रुक्मी ने रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से तय कर दिया, जिससे रुक्मिणी दुखी थीं। रुक्मिणी ने अपनी एक सखी के द्वारा श्रीकृष्ण को एक संदेश भेजा, जिसमें उन्होंने प्रेम और विवाह का आग्रह किया और बताया कि अगर उनका विवाह नहीं हुआ तो वह प्राण त्याग देंगी। संदेश पाते ही श्रीकृष्ण विदर्भ पहुंचे और रुक्मिणी का हरण करने की योजना बनाई ।विवाह के दिन, जब शिशुपाल बारात लेकर आ रहा था, तब श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी का हरण कर लिया ।रुक्खमी ने श्रीकृष्ण का पीछा किया, लेकिन श्रीकृष्ण ने युद्ध में उन्हें हराकर जीत हासिल की ।श्रीकृष्ण रुक्मिणी को द्वारका ले गए, जहां उनका भव्य उत्सव के साथ विवाह संपन्न हुआ। श्रोताओं ने रुकूखमणी विवाह के अवसर पर बाजे गाजे के साथ बारात निकालकर खुब मस्ती के साथ भगवान के बरात में झुमे ।कथा में प्रमुख रुप से पिन्टु वर्मा पुष्कर वर्मा चन्दुलाल वर्मा नंदकुमार वर्मा ईश्वरीय वर्मा बलराम वर्मा योगिता वर्मा मंजु वर्मा बदरा बाई कल्याणी बाई बिन्दु बाई मनीषा वर्मा दुर्गा वर्मा पुजा वर्मा भुनेश्वरी खोमेन्द्र विनय मुरली वर्मा कमलेश कुमार साहु मेघु टिकेन्द्र नाथ पुनीत वर्मा सहित इंदिरा नगर पाटन मुहल्लावासी उपस्थित थे ।

दुर्ग नगर निगम में बड़ी कार्रवाई दो कर्मचारियों की सेवा समाप्त, गलत तरीके से नौकरी पाने वालों पर आज नहीं तो कल कार्रवाई तय

दुर्ग(ज्वाला एक्सप्रेस)। नगर पालिक निगम दुर्ग ने अनुकम्पा नियुक्ति में गंभीर अनियमितताओं को लेकर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों प्रीति उज्जैनवार (सहायक राजस्व निरीक्षक) तथा नम्रता रक्सेल (भृत्य) को सेवा से हटाने की दीर्घ दंडात्मक कार्रवाई की है। दोनों नियुक्तियाँ प्रथम दृष्टया शासन के अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी नियमों के विपरीत पाई गई थीं।

शिकायत के बाद खुली अनियमितता लोक आयोग में दर्ज विविध जांच प्रकरण क्रमांक 24/2020 में इन नियुक्तियों को नियम विरुद्ध बताते हुए शिकायत की गई थी। आयोग से प्राप्त निर्देशों के आधार पर निगम प्रशासन ने दोनों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया, परंतु दोनों द्वारा प्रस्तुत जवाब असमाधानकारक पाया गया ।इसके बाद 23 जुलाई 2025 को दोनों को निलंबित करते हुए विभागीय जांच प्रारंभ की गई। विभागीय जांच अधिकारी द्वारा दस्तावेज़, नस्ती, गवाहों के बयान एवं प्रतिपरीक्षण के बाद स्पष्ट किया गया किअनुकम्पा नियुक्ति के लिए शासन के 2013 के एकजाई निर्देश तथा 29 अगस्त 2016 के परिपत्र की कंडिका 6 (अ) का खुला उल्लंघन हुआ ।कंडिका 6 (अ) के अनुसार दिवंगत शासकीय सेवक के परिवार में यदि एक सदस्य पहले से ही शासकीय सेवा में है, तो किसी अन्य सदस्य को अनुकम्पा नियुक्ति का पात्र नहीं माना जाएगा ।दोनों मामलों में परिवार का सदस्य पहले से ही सरकारी सेवा में पाया गया, इसलिए नियुक्तियाँ नियम विरुद्ध घोषित की गईं। आरोपियों को अंतिम अवसर भी दिया गया। निगम द्वारा दोनों कर्मचारियों को 4 नवंबर 2025 को अंतिम अवसर दिया गया, परंतु उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब (12 व 13 नवंबर 2025) शासन के नियमों के विपरीत पाए गए। निगम आयुक्त ने लगाई दीर्घ दंडात्मक कार्रवाई छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 10 (8) के तहत दोनों कर्मचारियों पर सेवा से हटाने की कठोर दंडात्मक कार्रवाई की गई। दोनों आदेश 17 नवंबर 2025 से तत्काल प्रभावशील हुए। निगम प्रशासन का सख्त संदेश इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि दुर्ग नगर निगम नियमों के विरुद्ध नौकरी पाने वालों पर अब किसी भी स्तर पर रियायत नहीं देगा।

विश्व शौचालय दिवस पर दुर्ग में दो आधुनिक 'आकांक्षा टॉयलेट' का शुभारंभ

महापौर अलका बाघमार ने फीता काटकर किया लोकार्पण, निगम ने दी शहरवासियों को नई सौगात

दुर्ग

नगर पालिक निगम ।विश्व शौचालय दिवस 2025 के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशनङ्कशहरी 2.0 के तहत नगर पालिक निगम दुर्ग में स्वीकृत आकांक्षीय शौचालयों का आज लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार ने आयुक्त सुमित अग्रवाल,स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल के अलावा जन प्रतिनिधियों के साथ राजेंद्र पार्क चौक के पास एवं गंजपारा निगम कम्प्लेक्स स्थित गोकुल होटल के पीछे निर्मित दो आकांक्षा टॉयलेट' का फीता काटकर शुभारंभ किया।

भारत सरकार के निर्देशानुसार, विश्व शौचालय दिवस पर पूरे देश में आधुनिक एवं नागरिक अनुकूल शौचालयों का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित था। इसी क्रम में दुर्ग नगर निगम ने दोनों स्थानों में

निर्मित मॉडल आकांक्षा शौचालयों को जनता को समर्पित किया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री द्वारा नई दिल्ली से आयोजित मुख्य कार्यक्रम में निगम कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की।

आधुनिक सुविधाओं से लैस आकांक्षा टॉयलेटदोनों शौचालयों में जल, विद्युत, सुरक्षा एवं स्वच्छता की सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। गंजपारा निगम कम्प्लेक्स के पीछे..10 सीटर टॉयलेट की सुविधाएं है।

इसके अलावा परिसर में हैंड ड्रायर,सैनिटरी पैड उपलब्धता, सैनिटरी पैड डिस्पोजल मशीन, फीडबैक मशीन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं, जो इसे पूर्णतः स्मार्ट एवं जनहितकारी बनाती हैं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम दुर्ग में स्वच्छता एवं जनसुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आज लोकार्पित ये आकांक्षा टॉयलेट स्वच्छ भारत मिशन की भावना को मजबूत करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि शहर के हर नागरिक को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाङ्कसंपन्न सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध हो।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा आज शुरू किए गए दोनों आकांक्षा शौचालय तकनीकी रूप से आधुनिक हैं। नगर निगम सतत निगरानी और नियमित सफाई सुनिश्चित करेगा। निगम का प्रयास है कि शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर इसी तरह के उच्च गुणवत्ता वाले सार्वजनिक शौचालय विकसित किए जाएं ।इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शिव नायक,नीलेश अग्रवाल, सहायक अभियंता संजय ठाकुर,उपअभियंता हरिशंकर साहू,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,मतिम शेख सहित आदि मौजूद रहें।

उक्त शौचालय सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हैं। शौचालयों में महिला एवं पुरूष हेतु अलग अलग प्रवेश द्वार, केयर टेकर कक्ष, शिशुओं के लिए अलग देखभाल कक्ष की सुविधा नागरिकों हेतु प्रदान की गई है। शौचालयों में पानी के बचाव हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई है। उक्त शौचालयों में पूर्ण तरीके से ऑटोमैटिक नल, हाथ सुखाने हेतु ऑटोमैटिक हैंड ड्रायर मशीन, महिलाओं हेतु सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, इंसीनरेटर मशीन, शौचालयों की साफ सफाई के प्रतिक्रिया हेतु नागरिकों के लिए फीडबैक मशीन आदि सुविधाएं प्रदान की गईं हैं।

साल के अंत में प्रदेश में होने जा रही है दिव्य और भव्य श्रीराम कथा

जामुल

दिव्य सजावट, विद्वान धर्माचार्यों की मंगलमय उपस्थिति, भजन कीर्तन की गुंज, श्रोताओं का सैलाब,अलौकिक दृश्य का प्रदेश वासियों को बेसब्री से इंतज़ार। आठ हजार से अधिक आयोजक परिवार, दस माह से सतत तैयारी,राम कथा होगी इतनी दिव्य और भव्य की साक्षी बनने उत्सुक है पूरा प्रदेश।

ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह (11,111) कलश , विभिन्न वाद्य यंत्रों की टोली, अद्भुत होगी श्री राम कथा की शोभायात्रा। बेहद ही दिव्य व भव्य श्री राम कथा में पुरे प्रदेश से उमड़ेगा श्रोताओं का सैलाब।

भगवान श्री राम के ननिहाल, हमारे पावन प्रदेश छत्तीसगढ़ की धर्मनगरी जामुल, जिला-दुर्ग में बेहद ही भव्य और दिव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन शिवपुरी स्टेडियम, जामुल में दिनांक 28 दिसंबर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस आयोजन में कथा व्यास सनातन धर्म और संस्कृति के अद्वितीय व्याख्याकार अनंत श्री विभूषित परम पूज्य श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री स्वामी डॉ. राघवाचार्य जी

महाराज हैं, जो श्री धाम पीठाधीश्वर, श्रीराम लला सेवा सदन, देवस्थान, रामकोट अयोध्या के अधिष्ठाता हैं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित विद्वान धर्माचार्य, संत, महंत और कथावाचकों का भी आगमन होना है । आयोजन के दौरान प्रतिदिन लगभग तीस हजार 30,000 से अधिक श्रद्धालुओं के कथा श्रवण के लिए आने का अनुमान है, और शोभायात्रा में लगभग एक लाख (100000) से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार है:28 दिसंबर 2025: 11,111 (ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह) माताओं द्वारा विभिन्न वाद्य यंत्रों की टोली के साथ भव्य कलश यात्रा।

कलश यात्रा सुबह 11 बजे से शिवपुरी स्टेडियम जामुल से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल में समाप्त होगी।

सनातन उत्सव मेला ङ्क 25 बड़े झूले व सैकड़ों दुकानों का मेला भी लगाया जाएगा।

29 दिसंबर 2025 से 06 जनवरी 2026: नौ दिवसीय श्रीराम कथा का वाचन।

विचक्षण विद्यापीठ के छात्र-छत्राओं ने आई आई आईटी पहुंचकर सीखी आधुनिक टेक्नोलॉजी

कुम्हारी

विचक्षण जैन विद्यापीठ कुम्हारी अपने छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहता है। इसी मिशन में एक नया आयाम जोड़ते हुए, विद्यापीठ के विज्ञान के छात्रों ने पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी), नया रायपुर की शैक्षिक यात्रा करके अमूल्य अनुभव प्राप्त किया। इस यात्रा के दौरान, छात्रों ने एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थान के कामकाज को देखा तथा डीन एवं अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की, जिन्होंने उन्हें सार्थक मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि प्रदान की। विचक्षण विद्यापीठ ने अपने आईआईआईटी के निदेशक, डॉ. ओ. पी. व्यास का हृदय से आभार व्यक्त कर कहा कि, इनके व्यक्तिगत रुचि और समर्थन ने इस दृष्टि को साकार किया। इतने प्रतिष्ठित पद पर होते हुए भी उनका विनम्र और सहकारी स्वभाव वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा है।

वार्ड 47 की पूर्व पार्षद कविता तांडी का निधन, शहर में शोक की लहर

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड नंबर 47 (रायपुर नाका) की पूर्व पार्षद श्रीमती कविता तांडी का आज दुखद निधन हो गया। तबीयत अत्यधिक खराब होने के कारण उन्हें रायपुर स्थित एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ उनकी स्थिति लगातार नाजुक बनी हुई थी।

जानकारी के अनुसार उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। कविता तांडी भाजपा पार्षद पद पर विजयी होती रहीं और अपने मिलनसार एवं सरल स्वभाव के कारण शहर में उनकी एक अलग पहचान थी।

उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे दुर्ग शहर में शोक का माहौल बन गया। वार्डवासियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को संबल देने की प्रार्थना की है।

कलेक्टर सिंह ने सेलूद, उतई और कोड़िया धान उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

किसानों से रू-ब-रू चर्चा कर व्यवस्था की ली जानकारी

जिला प्रशासन द्वारा खरीदी केन्द्रों में कम्प्यूटर ऑपरेटरों की वैकल्पिक व्यवस्था

दुर्ग (ज्वाला एक्सप्रेस)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज जिले के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में चल रही धान खरीदी व्यवस्था का जायजा लेने पाटन विकासखण्ड के धान उपार्जन केन्द्र सेलूद एवं उतई तथा धमधा विकासखण्ड के ग्राम कोड़िया के उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से उपार्जन केन्द्रों की आवश्यक व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, प्रतिदिन धान ब्रिकी हेतु टोकन की स्थिति और खरीदी किए गए धान की जानकारी ली। कलेक्टर ने मौके पर किसानों से खरीदे जा रहे धान की तौलाई का अवलोकन किया साथ ही व्यवस्था दिया कि प्रति बोरे में 40किलो 600 ग्राम धान की तौल की जाए। इस दौरान उन्होंने खाली बोरे की भी तौल कराकर वजन की

जानकारी ली। उन्होंने अधिक तौल कराए जाने पर समिति प्रबंधकों को फ्टकार लगाई और बोरे से निर्धारित मात्रा में धान निकालने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि धान ब्रिकी के लिए उपार्जन केन्द्रों में आने वाले वाहनों की ऑनलाईन एन्ट्री एवं किसान सहित वाहन की फोटो अपलोड कराई जाए। लघु किसान जिनके द्वारा अपनी संपूर्ण उपज धान बिक्री करने के पश्चात् घोषणा पत्र के साथ रकबा समर्पण कराया जाए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में प्राप्त बारदानों की ऑनलाईन एन्ट्री तत्काल सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में खरीदे गए धान का स्टेक का भी अवलोकन किया। साथ ही निर्धारित मापदण्ड के अनुसार बोरे की छल्ली लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति प्रबंधकों को उपार्जन केन्द्रों में किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों में वैकल्पिक व्यवस्था हेतु उपलब्ध कराए गए कम्प्यूटर ऑपरेटर्स के कार्यों का अवलोकन किया। साथ ही उनकी समस्याओं से अवगत हुए। सेलूद उपार्जन केन्द्र में मोहित कुमार वर्मा, तमन्ना यादव और प्रतीक कुर्रे ने कार्य संभाल लिया है। उन्होंने अवगत कराया कि समिति प्रबंधक और विपणन संघ कार्यालय के कम्प्यूटर ऑपरेटर के मार्गदर्शन में कार्य संपादित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने हेतु पहुंचे श्री अवध राम, कुमान कश्यप, रोहित, नीलमणी और कमलेश चंद्राकर सहित अन्य कृषकों से रू-ब-रू चर्चा कर धान बिक्री, टोकन, रकबा समर्पण आदि के संबंध में जानकारी ली। कृषकों ने धान बिक्री हेतु शासन प्रशासन की व्यवस्था को बेहतर बताया। टोकन सिस्टम होने से सभी किसानों को धान बिक्री का समान अवसर मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधकों ने बताया कि उपार्जन केन्द्र सेलूद में 17 किसानों से 983.20 क्वि. धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार उपार्जन केन्द्र उतई में 19 किसानों से 704.80 क्वि. धान की खरीदी तथा उपार्जन केन्द्र कोड़िया में 28 किसानों से 1081.20 क्वि. धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर सिंह ने धान संग्रहण केन्द्र सेलूद (पाटन) और धान संग्रहण केन्द्र कोड़िया (धमधा) का भी निरीक्षण किया।

जल संरक्षण में रायपुर देश में अव्वल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय जल पुरस्कार से किया सम्मानित

जल संरक्षण में छत्तीसगढ़ ने रचा इतिहास:

रायपुर/नई दिल्ली, ज्वाला (एक्सप्रेस न्यूज)। छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण और जनभागीदारी के क्षेत्र में पूरे देश में अपनी विशेष पहचान दर्ज कराई है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचयङ्कजन भागीदारी (छ्वस्छ्वक्क1.0) अवार्ड समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राज्य के तीन जिलों—रायपुर, महासमुंद और गरियाबंद—को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्यभर में चले व्यापक जल संरक्षण अभियान की यह ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। रायपुर जिले ने जल संरक्षण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रिचार्ज पिट्स, अमृत सरोवर और स्मार्ट वॉटर मैनेजमेंट जैसी पहलों से देशभर में उदाहरण पेश किया।

मुख्य उपलब्धियां :- रायपुर नगर

निगम पूरे देश में प्रथम, रायपुर जिला (ईस्टर्न जोन) तीसरे स्थान पर, राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ ने दूसरा स्थान हासिल किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया।

रायपुर की उपलब्धियों की झलक :- नगर निगम: 33,082 कार्य पूर्ण, जिला रायपुर: 36,282 कार्य पूर्ण, पूरे राज्य में: 4,05,563 जल संरक्षण कार्य, 4 एसटीपी से 206 रूष्ठ क्षमता का विकास, 9 औद्योगिक इकाइयों को 125.849 रूष्ठ शुद्ध जल की आपूर्ति, हर वार्ड में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, 20 नए सरोवरों का पुनर्जीवन, डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम से भूजल स्तर की निगरानी।

महासमुंद जिला—पूर्वी जोन, कैटेगरी 2 में प्रथम स्थान :- महासमुंद जिले ने जल संरक्षण और जनभागीदारी के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य कर पूरा देश प्रभावित किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने जिले को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के साथ सम्मानित किया।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने पुरस्कार ग्रहण किया।

महासमुंद की उपलब्धियां

कुल 35,182 जल संरचनाओं का निर्माण

सामुदायिक भागीदारी की मिसाल

भूजल संरक्षण के लिए कई नवाचार

अभियान में पूरे जिले की सक्रिय भागीदारी

कलेक्टर ने इस सफलता का श्रेय जिले के सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक टीम एवं सामाजिक संगठनों को दिया।

गरियाबंद जिले को जोन-1, कैटेगरी-2 में देश में तीसरा स्थान

गरियाबंद जिले ने सतही जल संरक्षण, जनभागीदारी और तकनीकी नवाचारों के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान अर्जित किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने जिले को 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर बी.एस. उइके, कार्यपालन अभियंता एस.के. बर्मन और सहायक अभियंता मनोज टांडिल्य ने पुरस्कार प्राप्त किया।

गरियाबंद की प्रमुख उपलब्धियां

26,025 सतही जल संरचनाएँ, रेचार्ज सॉफ्ट बोरवेल, सेंड फिल्टर, इंजेक्शन वेल जैसी तकनीकी पहल,

पहाड़ी एवं लो-लाइन क्षेत्रों में विशेष जल संरचनाएँ

मिशन जल रक्षा ङ्क नारी शक्ति से जल शक्ति के तहत जनजागरण

विभिन्न विभागों, नागरिकों, महिलाओं और सामाजिक संस्थाओं की समन्वित भूमिका

मुख्यमंत्री ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीनों जिलों की उपलब्धियों को छत्तीसगढ़ की जल क्रांति करार देते हुए कहा:

यह सम्मान पूरे राज्य की सामूहिक मेहनत और जनता की जागरूकता का परिणाम है।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 700489995